सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 23 अगस्त, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 345 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

यूसीसी और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अस्तित्व का सवाल

हिना फ़ातिमा

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) के संस्थापक सदस्य कासिम रसूल इलियास के सामने एक बहुत बड़ा काम है। वे बोर्ड की ओर से ईसाइयों, सिखों और आदिवासी नेताओं से प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के खिलाफ एकजुट होने के लिए अभूतपूर्व प्रयास कर रहे हैं। बाबरी मस्जिद के लिए अपनी लंबी लड़ाई में हार के बाद, बोर्ड की गति कम होती दिखाई दे रही है। मुस्लिम समुदाय में हाल के वर्षों में उनके खिलाफ नफरत की लहर को रोकने में इसकी कमज़ोर भूमिका के बारे में चर्चा हो रही है। बोर्ड के भीतर सुधारों की मांग बढ़ रही है। अब, यूसीसी के अस्तित्व के खतरे के साथ, एआईएमपीएलबी असहमति और नेतृत्व संघर्षों से जूझ रहा है और किसी भी ऐसे क्षेत्र में घुसने का व्यापक डर है जो हिंदुत्व समूहों को लाभ पहुंचा सकता है।

कुछ हफ्तों में एआईएमपीएलबी यूसीसी के खिलाफ अपने धर्मों की रक्षा के लिए एक एकीकृत रणनीति विकसित करने के लिए अन्य धार्मिक संगठनों के साथ एक गोलमेज सम्मेलन आयोजित करने की योजना बना रहा है। इन दिनों अकेले ऐसी लड़ाई लड़ना बड़े जोखिमों से भरा है। इलियास ने कहा, 'बोर्ड के सामने सबसे बड़ी चुनौती यूसीसी है। यह हमारे धर्म का पालन करने और उसका प्रचार करने के संवैधानिक अधिकारों को कमज़ोर करता है। एक राष्ट्र, एक कानून का नारा बेतुका है। यहां तक कि हर राज्य में कानून भी अलग-अलग हैं। मनुष्य द्वारा बनाया गया कोई भी कानून जो देश की विविधता को खत्म करता है और प्रथागत कानूनों में हस्तक्षेप करता है, हमें स्वीकार्य नहीं है।'

कई मुसलमानों में असंतोष

पिछले एक साल में AIMPLB के नेतृत्व को लेकर सवाल तेज़ हो गए हैं, साथ ही भाई-भतीजावाद को लेकर नाराज़गी भी बढ़ रही है। पिछले जून में खालिद सैफुल्लाह रहमानी अपने चाचा मौलाना सैयद राबे हसनी नदवी की जगह बोर्ड के अध्यक्ष बने, जो 2002 से अप्रैल 2023 में अपनी मृत्यु तक इस पद पर रहे। एक दशक से बोर्ड के बारे में लिख रहे स्वतंत्र पत्रकार शकील अहमद ने कहा, 'बोर्ड के नेतृत्व में भाई-भतीजावाद के कारण समुदाय में अंसतोष है। वह अपनी भूमिका को केवल शरिया कानून की व्याख्या तक सीमित रखते हैं। पहले बोर्ड का नेतृत्व मंत्रियों और नेताओं से मिलता था। अब वो केवल प्रेस बयान जारी करते हैं। बोर्ड की वर्तमान चुप्पी का एक कारण सरकार द्वारा इस्लामी धर्मशास्त्रियों के संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद से जुड़े एनजीओ के लिए विदेशी फंडिंग पर की गई कार्रवाई है।'

उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री मोहसिन रजा जैसे भाजपा नेताओं ने भी पहले एआईएमपीएलबी के फंडिंग पर सवाल उठाए हैं - जिसे भारत में मुस्लिम पर्सनल लॉ की रक्षा के लिए 1973 में एक गैर-सरकारी संगठन के रूप में स्थापित किया गया था। हालांकि, बोर्ड ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

आंतरिक रूप से एआईएमपीएलबी ने अपनी स्थापना के बाद से 51 साल से कोई बड़ा संरचनात्मक बदलाव नहीं देखा है। आलोचकों का दावा है कि बोर्ड विभिन्न मुस्लिम संप्रदायों को खुश करने पर बहुत अधिक केंद्रित है और इस प्रकार निर्णायकता के बजाय संकोच के साथ काम कर रहा है। पांच दशक पुराना राष्ट्रीय बोर्ड हर तीन साल में एक नए अध्यक्ष का चुनाव करता है, जिसे 251 आम सभा के सदस्य चुनते हैं, जो 45 सदस्यीय कार्यकारी निकाय का भी चयन करते हैं। यह पांच उपाध्यक्षों की नियुक्ति करता है और चार सचिवों के साथ एक महासचिव का चुनाव करता है। बोर्ड का अध्यक्ष हमेशा हनफी स्कूल से होता है, जो सुन्नी संप्रदाय में सबसे पुराना है, क्योंकि देश में उनकी आबादी सबसे ज़्यादा है, लेकिन उपाध्यक्ष अलग-अलग वैचारिक पृष्ठभूमि से आते हैं। बाबरी जैसे मुद्दों ने बोर्ड को एकजुट किया, लेकिन इस विविधता का मतलब है कि आम सहमति पर पहुंचना हमेशा आसान नहीं होता।

शरिया से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर AIMPLB का रवैया मिला-जुला रहा है। हालांकि, बोर्ड ने तीन तलाक के बचाव में कड़ा रुख अपनाया, लेकिन हिजाब विवाद पर उसकी प्रतिक्रिया बहुत नरम रही। AIMPLB की मौजूदा सदस्य और इसकी महिला शाखा की पूर्व संयोजक अस्मा ज़ेहरा तैयबा के लिए यह एक दुखद बिंदु है। उन्होंने कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध लगाने के फैसले से पहले बोर्ड की निष्क्रियता की आलोचना की, इस आधार पर कि यह इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को खुद ही अपना बचाव करने के लिए छोड़ दिया गया।

तैयबा ने आगे आरोप लगाया कि सरकार न केवल मुस्लिम परिवार संरचना और कानूनों को बल्कि अन्य समुदायों में समान दरों के बावजूद उच्च प्रजनन दर के लिए महिलाओं को भी निशाना बनाती है। जबकि मुस्लिम और हिंदू भी मुद्रास्फीति और बेरोज़गारी सहित समान आर्थिक समस्याओं से जूझते हैं। हालांकि, इसने 2022 में PWA को चुनौती देने वाली याचिकाओं का विरोध करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था - जो 15 अगस्त 1947 को पूजा स्थलों के चरित्र को पुनः प्राप्त करने या बदलने के लिए मुकदमों पर रोक लगाता है - वाराणसी की एक अदालत ने तब से हिंदुओं को ज्ञानवापी मस्जिद तहखाने में प्रार्थना करने की अनुमति दे दी है। AIMPLB ने अभी तक सुप्रीम कोर्ट में इसे चुनौती देने के अपने संकल्प का पालन नहीं किया है।

मुस्लिम समुदाय की निगाहें अब बोर्ड पर हैं कि वे इस साल की शुरुआत में लागू किए गए उत्तराखंड समान नागरिक संहिता सहित नवीनतम सुर्खियां बटोरने वाले मुद्दों को कैसे देखते हैं। UCC अभी उनका सबसे बड़ा एजेंडा है। अगर यह निर्णायक रूप से कार्य करने में विफल रहता है, तो इसका कोई भविष्य नहीं हो सकता। यूसीसी के तहत शरिया कानून स्वीकार्य नहीं होगा। तैयबा ने कहा, 'अगर देश में UCC लागू हो जाता है, तो बोर्ड खत्म हो जाएगा।'

सीमित राजनीतिक प्रतिनिधित्व के कारण, मुसलमान अक्सर अपनी चिंताओं को दूर करने के लिए वकालत करने वाले संगठनों की ओर रुख करते हैं। AIMPLB के साथ असंतोष भारत की बदलती राजनीति के साथ पूरी तरह से जुड़ने की इसकी कथित अनिच्छा से उपजा है, लेकिन बोर्ड के सदस्यों का तर्क है कि वो हर मुद्दे पर कूदने के बजाय अपनी प्रतिक्रियाओं को मापना चाहते हैं। AIMPLB के प्रवक्ता कमाल फारुकी ने कहा, 'हम कोई राजनीतिक पार्टी या एनजीओ नहीं हैं।' AIMPLB के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर इसे एक एनजीओ के रूप में संदर्भित किए जाने के बावजूद। बोर्ड की आधिकारिक लाइन स्पष्ट हैः इसका काम शरिया कानून को बनाए रखना है, राजनीति में शामिल होना नहीं।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

युद्ध से नहीं निकलेगा समाधान...

पोलैंड की जमीन से पीएम मोदी ने अपने दो दोस्तों को दिया संदेश

शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए डायलॉग और डिप्लोमेसी का किया समर्थन

वारसॉ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को भी संबोधित किया। अपने उद्बोधन के दौरान पीएम मोदी ने पोलैंड के साथ भारत के मजबूत संबंधों का बखान तो किया ही, साथ में इशारों-इशारों में रूस और यूक्रेन को भी संदेश दे किया। पीएम मोदी ने दो टूक लहजे में कहा कि वह शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए डायलॉग और डिप्लोमेसी का समर्थन करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का यह दृढ़ विश्वास है कि किसी भी समस्या का समाधान रणभूमि में नहीं हो सकता। पीएम मोदी ने पोलैंड के साथ राजनयिक वर्षगांठ के 70 साल पूरे होने पर दोनों देशों के संबंधों को स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप में बदलने का भी ऐलान किया। पीएम मोदी ने कहा, आज का दिन भारत और पोलैंड के संबंधों में विशेष महत्व रखता है। आज पैंतालीस साल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने पोलैंड का दौरा किया है। इस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों की सत्तरवीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस अवसर पर हमने संबंधों को स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। हम पोलैंड की कंपनियों को मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड से जुड़ने के लिए आमंत्रित करते हैं। पीएम मोदी ने यह भी कहा, भारत और पोलैंड अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी करीबी तालमेल के साथ आगे बढ़ते रहे हैं। हम दोनों इस पर सहमत हैं।

राजस्थान में आतंकी संगठन से जुड़े 6 लोग गिरफ्तार

- दिल्ली पुलिस की भिवाड़ी में छापेमारी

भिवाड़ी (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने भिवाड़ी के चौपानकी में आतंकी संगठनल अल-कायदा से जुड़े 6 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि पकड़े गए संदिग्ध भिवाड़ी जिले में हथियार चलाने की ट्रेनिंग ले रहे थे। सूत्रों के अनुसार संदिग्धों को दिल्ली ले जाया गया है। फिलहाल इस मामले में भिवाड़ी पुलिस और दिल्ली पुलिस ने कोई भी जानकारी शेयर नहीं की है। दरअसल, दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान और झारखंड में एटीएस के साथ मिलकर कई शहरों में छापेमारी की है। ऑपरेशन में अल-कायदा से प्रेरित एक मॉड्यूल (अल-कायदा इन इंडियन सब कॉन्टिनेंट) का खुलासा हुआ। तीन राज्यों से अब तक कुल 14 संदिग्धों को पकड़ा गया है। शुरुआती जांच के मुताबिक इस मॉड्यूल का संचालन रांची का डॉ. इश्तियाक कर रहा था। वह देश के विभिन्न इलाकों में बड़ी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में जुटा था। मॉड्यूल के सदस्यों को अलग-अलग स्थानों पर हथियार चलाने की ट्रेनिंग भी दी गई थी।

काम पर लौट आइए, आपके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी

- सुप्रीम कोर्ट की प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से अपील
- ममता सरकार को फिर लताड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज केस के विरोध में प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से सुप्रीम कोर्ट ने काम पर लौटने की अपील की है। शीर्ष अदालत ने डॉक्टरों को भरोसा दिया है कि काम पर वापस आने पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। दरअसल, एम्स नागपुर के रेजिडेंट डॉक्टर्स ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि कोलकाता मामले के विरोध-प्रदर्शन करने की वजह से उन्हें परेशान किया जा रहा है। डॉक्टरों के वकील ने तर्क दिया कि उन्हें अनुपस्थित मार्क किया जा रहा है और परीक्षाओं में बैठने से रोक दिया जा रहा है। उन्होंने अदालत से नरमी बरतने का अनुरोध किया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अदालत प्रशासन को झूठी उपस्थिति दर्ज करने का निर्देश नहीं दे सकती है। उन्होंने डॉक्टर्स को पहले काम पर लौटने का निर्देश देते हुए भरोसा दिया कि बाद में उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। एक अन्य वकील ने बताया कि पीजीआई चंडीगढ़ के डॉक्टर्स ने रैली में भाग लिया, लेकिन बाद में काम पर लौट आए। इस पर, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि एक बार सभी डॉक्टर काम पर लौट आते हैं, तो अदालत एक सामान्य आदेश जारी करेगी।

एक साथ रूस-यूक्रेन दोनों को साधना चाहता है भारत

मोदी सरकार ने बदली अपनी स्ट्रैटेजी, आज यूक्रेन पहुंचेंगे पीएम

30 साल में यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय पीएम होंगे नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली/वारसॉ (एजेंसी)। भारत बुद्ध की विरासत वाली धरती है, जो युद्ध नहीं, शांति पर विश्वास करती है। इसलिए, भारत इस रीजन में भी स्थाई शांति का एक बड़ा पैरोकार है। भारत का मत एकदम साफ है, ये युद्ध का युग नहीं है। पोलैंड की राजधानी वॉरसा की धरती से जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया को यह संदेश दिया तो यह कहा जाने लगा कि क्या मोदी रूस और यूक्रेन के बीच जंग रुकवा सकते हैं। क्या मोदी शांति दूत हैं। क्यों विदेश जाकर वो बुद्ध की बात कर रहे हैं। मोदी पोलैंड से यूक्रेन भी जाएंगे। भारतीय समुदाय के लोगों के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, दशकों तक भारत की नीति सभी देशों से दूरी बनाकर रखने की रही थी। जबकि आज के भारत की नीति सभी देशों के करीब रहने की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन के दौरे पर रहेंगे। 30 साल में ये पहली बार है, जब कोई भारतीय पीएम यूक्रेन दौरे पर होगा। इस दौरे से ये भी कहा जा रहा है कि क्या युद्ध रुकवाने पर पीएम मोदी को क्या इस बार शांति का नोबेल मिल सकता है। यूक्रेन में सूर्यमुखी की पैदावार काफी ज्यादा होती है। भारत अपनी खाद्य तेलों का बड़ा आयात यूक्रेन से ही करता है। खासतौर पर सूर्यमुखी के तेलों का आयात किया जाता है। वैसे तो यूक्रेन गेहूं जैसे अनाज उत्पादन के मामले में दुनिया में काफी आगे है। इसे यूरोप का ब्रेड बॉस्केट कहा जाता है।

मोदी बोले-दुनिया भारत को मानती है विश्व बंधु

पीएम मोदी ने कहा है कि भारत का विजडम ग्लोबल है, विजन ग्लोबल है। हमारे पूर्वजों ने हमें वसुधैव कुटुंबकम का मंत्र दिया है। भारत का कल्चर ग्लोबल है। केयर और कंपैशन ग्लोबल है। हमने पूरी दुनिया को एक परिवार माना है और यही आज के भारत की नीति और निर्णयों में नजर आता है। आज का भारत सबसे जुड़ना चाहता है, आज का भारत सबके विकास की बात करता है, आज का भारत सबके साथ है, सबके हित की सोचता है। हमें गर्व है कि आज दुनिया भारत को विश्व बंधु के रूप में सम्मान दे रही है। भारत इस क्षेत्र में स्थायी शांति का समर्थक है। भारत कूटनीति और संवाद में विश्वास करता है। बीते 25 सालों में भारत और यूक्रेन के व्यापारिक संबंधों में बढ़ोतरी हुई है। भारत के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2021-22 वित्तीय वर्ष में दोनों देशों के बीच 3.3 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था।

ज्ञान के स्रोत पुस्तकालय को समाज का अभिन्न हिस्सा बनाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सूचना प्रौद्योगिकी के कारण बदलते परिवेश में पुस्तकालयों का आधुनिकीकरण, स्वचालन और डजिटलीकरण जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का वर्चुअली किया शुभारंभ

बदलते शैक्षणिक एवं सामाजिक परिवेश में लाइब्रेरी की भूमिका और चुनौतियां' विषय पर हुई कॉन्फ्रेंस

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण, स्वचालन, नेटवर्किंग, डिजिटलीकरण, ग्रीन लाइब्रेरी और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पुस्तकालय के महत्व जैसे विषयों पर चिंतन और विचार विमर्श जरूरी है। इससे पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण और समसामयिक शिक्षा प्रणाली में उनकी उपयोगिता बनाए रखने का मार्ग प्रशस्त होगा। सूचना प्रौद्योगिकी के कारण बदलते परिवेश में पुस्तकालय समाज में ज्ञान के स्रोत की भूमिका निरंतर निभाते रहें, इसके लिए जरूरी है कि हम सभी पुस्तकालयों को समाज का अभिन्न हिस्सा बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा 'बदलते शैक्षणिक एवं सामाजिक परिवेश में लाइब्रेरी की भूमिका और चुनौतियां' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस के शुभारंभ सत्र को मंत्रालय से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

बैंक धन का और पुस्तकालय ज्ञान का संरक्षण और प्रसार करते हैं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुस्तकालय मानव इतिहास की बड़ी संपदा है। पुस्तकालय ज्ञान का संरक्षण, संवर्धन और प्रसार ठीक उसी तरह से करते हैं, जैसे बैंक समाज और राष्ट्र की धन संपदा के संरक्षण और संवर्धन की भूमिका निभाते हैं। भारतीय इतिहास में पुस्तकालयों का विशेष महत्व रहा है। नालंदा, विक्रमशिला, तक्षशिला के पुस्तकालय विद्या के केन्द्र और ज्ञान के भंडार थे, दुर्भाग्यवश यह महान केन्द्र विदेशी आक्रांताओं के निशाना बनें। उज्जैन धर्म, आध्यात्म एवं ज्ञान-विज्ञान का संगम रहा है। बाबा महाकाल, काल गणना के केन्द्र बिन्दु में विराजित हैं और उज्जैन का सांदीपनी आश्रम भगवान श्रीकृष्ण और बलराम का गुरूकुल रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिस प्रकार से शोध अनुसंधान और अध्ययन की गतिविधियां जारी हैं, निश्चित ही उज्जैन भविष्य का ग्रीनविच बनकर भारत का गौरव बढ़ाता रहेगा।

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन पुस्तकालय विज्ञान में प्रशिक्षण देने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर स्थापित उज्जैन का विक्रम विश्वविद्यालय पुस्तकालय विज्ञान में प्रशिक्षण देने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय था।

उज्जैन का सिंधिया ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट अपने विशाल और दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संग्रह के लिए जाना जाता है। भारत में पुस्तकालय विज्ञान के पितामाह पद्मश्री डॉ. रंगनाथन इस विश्वविद्यालय के पहले विजिटिंग प्रोफेसर रह चुके हैं। मध्यप्रदेश में पुस्तकालय विज्ञान का शिक्षा आरंभ करने का श्रेय डॉ. रंगनाथन को ही जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संगोष्ठी में भाग ले रहे सभी विषय-विशेषज्ञों, छात्रों आदि को संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

सुप्रभात

कहे है दिल कुछ और रचो
न झंझट से तुम और बचो
यह चाक घूमता है
आतुर हाथ हथेली हैं
माटी गीली बैठी तैयार
चलो अभी ना थको रचो
रचो रचो रे और रचो...
बात है यह स्वीकार
भर चुका है यह
आगार खिलौनों से
वयस्क हुए सब शावक
नन्हें-से छौनों से
इतना तो दूर चले आये
समय कभी आयेगा
ना ठोकर मारो
और हटो...
ये आलिंगन कैसा
सकुचाहट क्यों इसमें
मौन है ये अच्छा
आहट क्यों इसमें
क्यों पाश ये ढीला
अभी और कसो
हवा राह ना ले पाये
और निकट आओ
और सटो..
यही मोर्चा है
ये ही है पूजा का घर
चाह अगर ना पूरी हो
युद्ध ना पूरा हो
धीरज की माला जपते
धार कलम में करते
दोनों ले हथियार
ले आसन धरो ध्यान
और डटो
डटो डटो।

- सुधीर मोता

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 23 अगस्त 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

जम्मू-कश्मीर चुनाव में कांग्रेस और एनसी में गठबंधन

● फारुक अब्दुल्ला ने कहा-सीटों का बंटवारा बाद में होगा ● राहुल गांधी फिर बोले- हमने मोदी का कॉन्फिडेंस तोड़ा

श्रीनगर (एजेंसी)। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे। गुरुवार को राहुल गांधी से मुलाकात के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुखिया फारुक अब्दुल्ला ने ऐलान किया। उन्होंने कहा, राज्य की सभी 90 सीटों पर दोनों दल एक साथ चुनाव लड़ेंगे। सीटों को आज रात तक फाइनल कर लिया जाएगा। हमें उम्मीद है कि हम फिर से सत्ता में आएंगे। हमारे दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने श्रीनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करना और इसे वापस राज्य का दर्जा दिलाना सबसे जरूरी है। यहां से मेरा खून का रिश्ता है। ऐसे में उम्मीद है कि चुनाव में लोग हमारा साथ जरूर देंगे। राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि लोकसभा चुनाव में हमने पीएम मोदी का कॉन्फिडेंस तोड़ दिया है। अब उनकी छाती 56 इंच की नहीं रही। वे कंधे झुकाकर चलते हैं। जम्मू-कश्मीर चुनाव में गठबंधन तभी होगा जब कांग्रेस के सभी

कार्यकर्ताओं को इज्जत मिलेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अगर हम जम्मू-कश्मीर चुनाव जीतेंगे तो सारा हिंदुस्तान हमारे कब्जे में आएगा। राहुल और खड़गे दो दिन के जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। दोनों नेता 21 अगस्त की शाम श्रीनगर पहुंचे। दूसरे दिन दोनों नेता कार्यकर्ताओं से मिले। हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार हुआ है कि किसी राज्य का दर्जा छीनकर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है। हमारे लिए जरूरी है कि इसे इसका पुराना दर्जा वापस मिले। इसलिए हम सब मिलकर यहां पहले आए हैं। मैं पूरे देश में लोकतंत्र की रक्षा करता हूं। लेकिन मेरा लक्ष्य है कि देश के लोगों के दिल में जो यहां के लोगों के लिए डर है, मैं उसे मिटाना चाहते हैं। जो आप लोग सहते हैं। मैं, खड़गे और कांग्रेस इसे मिटाना चाहते हैं। कल जब हम आइसक्रीम खाने गए।

जो लोग वहां थे उन्होंने कहा- आपको जम्मू कश्मीर के लोग अच्छे लगते हैं। मुझे इरिटेशन हुआ। मैंने कहा कि नहीं मुझे यहां के लोग अच्छे नहीं लगते। फिर मैंने कहा- हर बार यहां आता हूं मुझे समझ आता है कि ये पुराना रिश्ता है। खून का रिश्ता है। आपने देखा है चुनाव में इंडिया गठबंधन ने मोदी और उनकी पार्टी को खत्म कर दिया है।

मणिपुर में बढ़ी भाजपा की चिंता

● अपने ही सीएम के खिलाफ 7 विधायकों ने की जांच की मांग

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में भीषण हिंसा का दौर भले ही थम गया है, लेकिन तनावपूर्ण हालात अब भी बने हुए हैं। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के खिलाफ भी लगातार आवाजें उठ रही हैं और उनके खिलाफ विपक्ष लंबे समय से मोर्चा खोले हुए हैं। उन्हें हटाने की मांग की जा रही है। इस बीच भाजपा के ही 7 विधायकों ने सीएम बीरेन सिंह के खिलाफ जांच के लिए आयोग गठित करने की मांग की है। कुल 10 कुकी विधायकों ने जांच की मांग की है, जिनमें से 7 सत्ताधारी दल भाजपा के ही हैं। इन लोगों का कहना है कि हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए आयोग गठित होना चाहिए। इसमें यदि एन. बीरेन सिंह को दोषी पाया जाए तो उनके खिलाफ ऐक्शन हो। इन विधायकों ने साझा बयान जारी कर कहा कि सीएम बीरेन सिंह की भूमिका संदिग्ध थी।

सीबीआई बोली-सबूतों से छेड़छाड़, देर से एफआईआर

● सुप्रीम कोर्ट के जज ने कहा-30 साल में ऐसा नहीं देखा

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता की डॉक्टर के रेप और मर्डर केस की जांच कर रही सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी है। एजेंसी ने अदालत में सुनवाई के दौरान बंगाल पुलिस और सरकार पर आरोपों की झड़ी लगा दी। अदालत ने कहा कि घटनास्थल से छेड़छाड़ की गई है। इसके चलते कुछ सबूत भी खत्म होने का संकट है। हालत ऐसी है कि जांच शुरू कर पाना भी एक चुनौती है।

आयुष्मान भारत योजना में बड़े बदलाव की तैयारी

● 10 लाख तक का मुफ्त इलाज, महिलाओं को मिलेगा 15 लाख का लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयुष्मान भारत के तहत बीमा कवर को दोगुना करके 10 लाख रुपये और महिलाओं के लिए 15 लाख रुपये तक करने की तैयारी चल रही है। इस योजना के तहत प्राइवेट अस्पताल के 4 लाख बिस्तरों को जोड़ने के साथ-साथ लाभार्थियों की संख्या 55 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ करने की तैयारी केंद्र सरकार के द्वारा की जा रही है। एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रमुख प्राथमिकताओं के रूप में इस योजना पेश किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सचिवों के समूह ने इस योजना पर रिपोर्ट पेश कर दिया है। अगले पांच वर्षों के लिए

लक्ष्य और उनकी उपलब्धि के लिए समयसीमा निर्धारित करने का काम सौंपा गया है। सामाजिक क्षेत्र के लिए बनी स्कीम में स्वास्थ्य, आयुष, खेल, संस्कृति और शिक्षा सहित नौ मंत्रालय शामिल हैं। जल्द ही कैबिनेट सचिव के समक्ष एक प्रेजेंटेशन देने की संभावना है। आयुष्मान भारत योजना नरेंद्र मोदी सरकार की प्रमुख स्वास्थ्य योजना है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी योजना बताया जाता है। वर्तमान में यह 12.34 करोड़ परिवारों को कवर करते हैं। 55 करोड़ लाभार्थियों को इसका लाभ मिल रहा है। प्रति परिवार 5 लाख रुपये का वार्षिक कवरेज प्रदान करता है। 30 जून तक इस योजना के तहत 7.37 करोड़ लोगों ने अस्पताल में इस योजना का लाभ उठाया। अब तक 1 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

झाबुआ की बहनों का स्नेह मेरी अमिट पूंजी है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री को मंत्री सुश्री भूरिया ने बांधी राखी एवं भीली टोकरी में भेंट किए रक्षा-सूत्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के लिए झाबुआ की बहनों ने बनाए दो लाख रक्षा-सूत्र

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने झाबुआ की दो लाख बहनों द्वारा भेजे गए रक्षा-सूत्र भेंट किए।

उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राखी भी बांधी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झाबुआ की बहनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा राखी स्वरूप में जताया गया स्नेह मेरी अमिट पूंजी है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा लाड़ली बहनों को 1250 रुपए के अतिरिक्त, रक्षाबंधन के उपहार के रूप में 250 रूपए की शगुन राशि भी प्रदान की गई थी।

झाबुआ क्षेत्र की लगभग 2 लाख लाड़ली बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त करने के लिए रक्षा सूत्र बनाएं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया यह रक्षा-सूत्र, परंपरागत भीली टोकरी (डलिया) में लेकर समत्व भवन पहुंची और प्रतीक स्वरूप यह रक्षा-सूत्र मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भेंट करने के साथ झाबुआ की बहनों की भावना को अभिव्यक्त करते हुए राखी बांधी।

आंध्र प्रदेश की फार्मा फैक्ट्री में आग, 17 लोगों की मौत

● 36 लोगों का इलाज जारी, पीड़ितों से मिलेंगे सीएम नायडू

अनाकापल्ले (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में अनाकापल्ले जिले की एक फार्मा कंपनी में बुधवार दोपहर करीब 2.15 बजे आग लग गई। हादसे में पहले 18 मौतों की जानकारी सामने आई। देर रात प्रशासन ने 17 लोगों की मौत की पुष्टि की। 36 लोग जख्मी हैं। सभी को जिले के एनटीआर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना अच्युतापुरम स्थित फार्मा कंपनी एस्किएंटिया के प्लांट में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले कंपनी के रिएक्टर के पास आग दिखी, फिर तेज धमाका हुआ। इससे बिल्डिंग के पहले फ्लोर का स्लैब ढह गया। लोगों ने कहा कि घायलों की संख्या ज्यादा हो सकती है, क्योंकि फैक्ट्री में 381 से ज्यादा कर्मचारी दो शिफ्ट में काम करते हैं। घटना के समय ज्यादातर कर्मचारी लंच पर गए थे। अधिकारियों ने बताया कि सॉल्वेंट ऑयल पहली मंजिल से दूसरी मंजिल पर पंप किया जा रहा था, तभी लीकेज हुआ और आग लग गई। इससे 500 किलोलीटर के कैपेसिटर रिएक्टर में ब्लास्ट हुआ। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि घटना की हाई लेवल जांच की जाएगी। अगर फैक्ट्री मैनेजमेंट की लापरवाही सामने आती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीएम ने जरूरत पड़ने पर घायलों को एयर एम्बुलेंस से दूसरे अस्पतालों में ले जाने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य सचिव को घटनास्थल पर भेजा है। सीएम खुद फैक्ट्री पहुंचे।

अयोध्या गैंगरेप के आरोपी सपा नेता पर बड़ा ऐक्शन

बिल्डिंग पर चला बाबा का बुलडोजर, भारी पुलिस फोर्स तैनात

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या गैंगरेप आरोपी सपा नेता पर बड़ा ऐक्शन हुआ है। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के भदरसा में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी मोइद खान की बिल्डिंग पर बुलडोजर की कार्रवाई एक बार फिर गुरुवार दोपहर शुरू हो गई। मौके पर तीन बुलडोजर और एक जेसीबी ने व्यावसायिक भवन के पीछे एवं आगे दोनों तरफ से

शुरू की कार्रवाई। ध्वस्त होने वाली बिल्डिंग की बिजली को काट दिया गया है। व्यवसायिक भवन से सभी किराएदारों से खाली कर लिया गया था। भवन में चल रहे बैंक को भी दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया। मौके पर एडीएम प्रशासन अनिरुद्ध सिंह, विकास प्राधिकरण के सचिव सत्येंद्र सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी की मौजूदगी में खाद विभाग की टीम ने आरोपित की बेकरी का सील तोड़कर सामान बाहर निकलवाया। सुरक्षा के मद्देनजर मौके पर भारी पीएसी बल के साथ कुमारगंज, पुराकलंदर, रौनाही सहित कई थानों की पुलिस मुस्तैद है। भदरसा में विद्युत आपूर्ति ठप कर दी गई है।

अयोध्या के बाद कन्नौज में गरजा बाबा का बुलडोजर

नाबालिग से रेप के मामले में गुरुवार को एक साथ अयोध्या और कन्नौज में योगी सरकार ने बड़ा एक्शन लिया। दोनों जिलों में बुलडोजर गरजा और नाबालिग से रेप के आरोप सपा नेता और उनके करीबी की संपत्ति ध्वस्त कराने की कार्रवाई शुरू हो गई है। पहले अयोध्या में रेप के आरोपी मोईद खान के शॉपिंग कॉम्पेक्स को गिराने के लिए बुलडोजर चलने लगे। इसके बाद कन्नौज में रेप के आरोपी सपा नेता नवाब सिंह यादव के करीबी के कोल्ड स्टोरेज की बॉउड्री वाल को गिराने की कार्रवाई शुरू हो गई।

असम में काजी नहीं, सरकार करेगी निकाह का रजिस्ट्रेशन

विधानसभा में मुस्लिम मैरिज एंड डिवोर्स रजिस्ट्रेशन बिल पेश, 90 साल पुराना कानून बदलेगा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम सरकार ने को विधानसभा में मुस्लिम मैरिज एंड डिवोर्स रजिस्ट्रेशन बिल 2024 पेश करेगी। इसके तहत मुस्लिम समाज के लोगों को शादी और तलाक का रजिस्ट्रेशन करना

जरूरी होगा। बुधवार को असम कैबिनेट ने बिल को मंजूरी दी थी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा- बिल में 2 विशेष प्रावधान हैं। पहला- मुस्लिम शादी का रजिस्ट्रेशन अब काजी नहीं सरकार करेगी। दूसरा- बाल विवाह के पंजीकरण को अवैध माना जाएगा। सीएम हिमंत ने कहा कि अब तक काजी नाबालिग लड़कियों की शादियां भी रजिस्टर्ड करते थे। अब ऐसा नहीं होगा। नया बिल इस्लामिक निकाह सिस्टम में बदलाव नहीं करेगा। केवल रजिस्ट्रेशन पार्ट में ही बदलाव होगा।

नाभा जेल ब्रेक कांड का मास्टर माइंड बहुत जल्द आएगा भारत

हांगकांग से प्रत्यर्पण की मंजूरी मिली, पंजाब पुलिस लेकर आएगी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। नाभा जेल ब्रेक कांड के मास्ट माइंड रमनजीत सिंह रोमी को भारत लाया जा रहा है। उसकी हांगकांग से प्रत्यर्पण की मंजूरी मिल चुकी है। उसे पंजाब पुलिस की टीम दिल्ली लेकर आ रही है। इसे पंजाब पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है। क्योंकि जेल से भागने वाले लोगों का यह सबसे बड़ा मददगार था। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट डालकर इसकी जानकारी दी है। वहीं, एंटी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स के एसपी गुरमीत सिंह चौहान, एसपी, दो डीएसपी समेत छह मेंबरों की टीम उसे लेने गई हुई है। पंजाब पुलिस ही उसे हांगकांग से लेकर आ रही है। उस पर पंजाब में तीन केस दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि यह पंजाब पुलिस की बहुत बड़ी अचीवमेंट है। उन्होंने कहा कि विदेशों में बैठे आरोपियों के लिए भी एक सीख है। पुलिस के हाथ बड़े लंबे होते हैं। डीजीपी गौरव यादव ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि रोमी को आज न्याय के सामने वापस लाया जा रहा है। वह आईएसआई और खालिस्तान लिबरेशन फोर्स के हरमिंदर सिंह मिंटू और कश्मीर सिंह गलवड्डी सहित अन्य फरार कैदियों के संपर्क में था।

यूएस समेत दुनियाभर के वैज्ञानिकों की भी नजर

आसमान से आ रही प्रलय! हो जाइए सावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले दिनों में अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा समेत दुनियाभर के वैज्ञानिक चौकन्ने रहने वाले हैं। ब्रह्मांड से पृथ्वी की ओर तेजी से एक नहीं, बल्कि तीन-तीन ऐसी चीजें आ रही हैं, जिसके टकराने से प्रलय आ सकती है।

ये क्षुद्रग्रह (एस्टेरोइड्स) हैं, जोकि इस महीने के आखिरी में लगातार तीन दिनों तक पृथ्वी की ओर तेजी से बढ़ेंगे। हालांकि, इनके टकराने की आशंका नहीं है, लेकिन इसके बाद भी वैज्ञानिक जगत की नजर इस असाधारण ब्रह्मांडीय घटना पर लगी हुई है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के जेट प्रपल्सन लैबोरेट्री (जेपीएल) के अनुसार, तीन बड़े क्षुद्रग्रह पृथ्वी के पास से 27, 28 और 29 अगस्त को गुजरने वाला है। इन तीनों का साइज काफी बड़ा

होगा, जिसकी वजह से वैज्ञानिकों को काफी टेंशन है। इस महीने अब तक कई क्षुद्रग्रह धरती के पास से जा चुके हैं।

27 अगस्त को पृथ्वी के पास से गुजरने वाला क्षुद्रग्रह का नाम 2020 आरएल है और इसका साइज 110 फीट लंबा होगा। यह किसी विमान बराबर क्षुद्रग्रह है। 2020 आरएल 27 अगस्त को पृथ्वी के सबसे करीब से गुजरेगा और धरती से इसकी दूरी 2,910,000 मील की होगी। इसी वजह से इसके धरती से टकराने की कोई आशंका नहीं है, जोकि राहत वाली बात है।

केंद्रीय मंत्री बोले-

एससी-एसटी रिजर्वेशन में क्रीमीलेयर स्वीकार नहीं

कांग्रेस ने कहा-फैसले के पीछे अटॉर्नी जनरल की गलती, पीएम के इशारे पर ऐसा किया

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक ने कहा, 'केंद्र सरकार एससी, एसटी रिजर्वेशन में क्रीमीलेयर को स्वीकार नहीं करेगी। सरकार ने स्पष्ट मन बनाकर रखा है। हम एससी, एसटी वर्ग के हितों को अनदेखा नहीं होने देंगे। सरकार पूरी तरह उनके हितों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।' डॉ. खटीक ने यह बात भोपाल में मीडिया से खास बातचीत में की। उन्होंने कहा- पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एससी, एसटी सांसद मिले थे। सुप्रीम कोर्ट ने जो जजमेंट दिया है, उसमें राज्य सरकारों को राय दी गई है। उसमें भी कंडीशन रखी है कि पहले सर्वे करना पड़ेगा। उसके बाद ही कुछ होगा। यह टिप्पणी केंद्र सरकार के लिए नहीं, राज्य सरकारों के लिए की गई है। मंत्री के बयान पर कांग्रेस नेता व भांडेर विधायक फूल सिंह बरैया ने कहा, 'प्रधानमंत्री के इशारे पर ही संविधान के खिलाफ यह कदम उठाया गया है। अटॉर्नी जनरल की गलती से कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है।' बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के एससी-एसटी रिजर्वेशन में सब कैटेगराइजेशन करने और क्रीमीलेयर को लेकर राज्य सरकारों को दी गई सलाह पर दलित-आदिवासी संगठन भड़के हुए हैं। बुधवार को इसको लेकर भारत बंद रखा गया था।

कांग्रेस बोली- पीएम के इशारे पर निर्णय हुआ

विधायक बरैया ने गुरुवार को भोपाल में कहा, सुप्रीम कोर्ट में अटॉर्नी जनरल ने मजबूती से पक्ष नहीं रखा। कोर्ट के फैसले के बाद अब मंत्री क्या करें? संविधान के खिलाफ फैसला कराने में अटॉर्नी जनरल का हाथ है। पीएम मोदी ने यह निर्णय करवाया है। संविधान में क्रीमीलेयर नहीं है। भाजपा अफवाह फैला रही है।'

भोपाल के बावड़ियाकलां में 24 को मटकी फोड़ प्रतियोगिता

विजेता टीम को मिलेंगे 1.51 लाख; करोंद में महिमा चौधरी, गुलशन ग्रोवर शामिल होंगे

भोपाल (नप्र)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर भोपाल में कई जगहों पर मटकी फोड़ प्रतियोगिताएं होंगी। बावड़ियाकलां और करोंद में बड़े आयोजन होंगे। बावड़ियाकलां में विजेता टीम को 1.51 लाख रुपए मिलेंगे, जबकि करोंद में फिल्म एक्टर पद्मिनी कोल्हापूरी, गुलशन ग्रोवर भी शामिल होंगे।

सरदार पटेल धार्मिक महोत्सव समिति के संरक्षक रविंद्र यति ने बताया, बावड़ियाकलां के सलैया-कोलार चौराहा आकृति ईको सिटी के पास शनिवार शाम को बड़े स्तर पर मटकी फोड़ प्रतियोगिता करा रहे हैं। यह प्रदेश की सबसे बड़ी मटकी फोड़ प्रतियोगिता होगी। इसमें कई कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर मालती राय, जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी भी बतौर अतिथि मौजूद रहेंगे।

रामायण, महाभारत और गीता के किरदार बनकर आएंगे बच्चे

आतिशबाजी के साथ 14 साल उम्र तक के बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। समिति संरक्षक यति ने बताया, इस प्रतियोगिता में बच्चे रामायण, महाभारत और गीता के कोई भी किरदार बनकर आ सकेंगे। यह प्रदेश का ही नहीं, देश का ऐसा अनूठा आयोजन होगा, जिसमें भारत के महाग्रंथों के आधार पर बच्चे फैंसी ड्रेस पहनकर आएंगे। इस दौरान 50 हजार से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है।

किसी भी कोने से आ सकेंगे

समिति अध्यक्ष पार्थ पाटीदार ने बताया कि इस कार्यक्रम में शहर के किसी भी कोने से लोग आ सकते हैं। कार्यक्रम तक पहुंचने के लिए पंपलेट पर ही एक स्केनर दिया गया है। जिसे मोबाइल पर स्केन करने पर रास्ता पता चल जाएगा। फायर सेफ्टी, एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई है। कार्यक्रम में सारंउड्रिल यानी, डाल्बी साउंड का प्रयोग किया जाएगा।

करोंद में 27 अगस्त को आयोजन

करोंद में बीजेपी जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी के नेतृत्व में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समिति 27 अगस्त को करोंद चौराहे मटकी फोड़ प्रतियोगिता करेगी। पिछले 18 साल से यह आयोजन हो रहा है। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 1 लाख रुपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। जिलाध्यक्ष पचौरी ने बताया, पूर्व में इस आयोजन में फिल्म स्टार गोविंदा, महिमा चौधरी, भाग्यश्री सहित अन्य अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। इस बार फिल्म एक्टर पद्मिनी कोल्हापूरी, गुलशन ग्रोवर सहित हप्पू की उलटन पलटन की गीतांजलि मिश्रा भी शामिल होंगी। साथ ही भजन गायक हेमंत बृजवासी अपनी प्रस्तुति देंगे। आयोजन समिति के राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है।

भोपाल, नर्मदापुरम समेत कई जिलों में बारिश

27 जिलों में अलर्ट; 10 साल बाद खुले मुरैना के पगारा बांध के गेट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में लंबे ब्रेक के बाद एक बार फिर से बारिश का सिस्टम एक्टिव हुआ है। गुरुवार को भोपाल, नर्मदापुरम, टीकमगढ़ और रायसेन समेत कई जिलों में पानी गिरा। मौसम विभाग ने 27 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, ग्वालियर, मुरैना, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, बड़वानी, इंदौर, रायसेन, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, मंडला, छतरपुर, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर और शहडोल में तेज बारिश हो सकती है। बाकी जिलों में गरज-चमक और हल्की बारिश का दौर बना रहेगा। मौसम विभाग ने 24 और 25 अगस्त को भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, उज्जैन, नर्मदापुरम और सागर संभाग के 31 जिलों के लिए भारी बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

- **10 साल बाद पगारा बांध के ऑटोमैटिक गेट खुले-** मुरैना जिले के जौरा क्षेत्र के पगारा बांध के ऑटोमैटिक गेट गुरुवार को खुल गए। ये गेट 10 साल बाद खुले हैं। 654 फीट क्षमता वाले डैम का जलस्तर 654 फीट पहुंचने से ओवरफ्लो होने लगा। आसन नदी पर बने इस डैम में श्योपुर जिले के विजयपुर से लेकर पहाड़गढ़ के जंगली रास्ते से बारिश का पानी आता है।
- **नदी में बहा युवक, आधे घंटे बाद बाहर आया-** डिंडौरी में उफनती नदी पार करने के दौरान एक युवक बह गया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद वह पानी से बाहर आ पाया। गुरुवार को डिंडौरी की साकुल नदी को पार कर रहा युवक बह गया।
- **बालाघाट में मनकुंवर नदी उफान पर, नैनपुर मार्ग बंद-** बालाघाट में मनकुंवर नदी उफान पर होने से नैनपुर मार्ग बंद हो गया। रायसेन में सुबह धूप खिली, करीब 11 बजे मौसम बदला और बारिश होने लगी।

- **इसलिए ऐसा मौसम-** मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया, बंगाल की खाड़ी में 24 अगस्त को लो प्रेशर एरिया एक्टिव हो रहा है। इसकी प्रदेश में स्ट्रॉन्ग एक्टिविटी देखने को मिलेगी। वर्तमान में एक्टिव एक अन्य लो प्रेशर एरिया, साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से भी अगले 2 दिन तेज बारिश का दौर बना रहेगा।
- **म.प्र. में 79 प्रतिशत बारिश, कोटा पूरा होने में 21 प्रतिशत पानी की और जरूरत-** प्रदेश में अब तक 79 प्रतिशत यानी 29.4 इंच पानी गिर चुका है। श्योपुर में सामान्य से दोगुनी और मंडला-सिवनी में आंकड़ा 41 इंच से अधिक है। श्योपुर में सामान्य से 143 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। सबसे ज्यादा बारिश के मामले में मंडला आगे है। यहां 43 इंच पानी गिर चुका है। यहां की सामान्य बारिश 47 इंच है। यानी, सामान्य बारिश के आंकड़े को पार करने के लिए अभी भी 4 इंच पानी की जरूरत है। सबसे ज्यादा पानी गिरने वाले टॉप-10 जिलों में मंडला, सिवनी, श्योपुर, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, रायसेन, डिंडौरी, सागर, भोपाल और सीधी शामिल हैं। भोपाल में 34 इंच बारिश हो चुकी है। कोटा पूरा होने में अब साढ़े 3 इंच पानी की और जरूरत है।

रतलाम जिले के सेमलिया धाम को और अधिक विकसित करेंगे : मंत्री श्री विजयवर्गीय

- **''एक पौधा माँ के नाम'' कार्यक्रम में अतिथियों ने किया पौध-रोपण**

भोपाल (नप्र)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि रतलाम जिले के माँ अन्नपूर्णा शक्तिपीठ सेमलिया धाम को और अधिक विकसित किया जायेगा। इसके लिये उन्होंने जन-प्रतिनिधियों से विकास कार्यों के प्रस्ताव राज्य शासन को भेजने का आग्रह किया। मंत्री श्री विजयवर्गीय बुधवार को सेमलिया में ''एक पौधा माँ के नाम'' समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर तिजारा (राजस्थान) विधायक महंत श्री बालकनाथजी, श्री मधुसुधनानंदजी, संतश्री प्रकाशनाथजी महाराज, संतश्री उमेशनाथजी महाराज, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक डॉ. राजेंद्र पांडे, विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, विधायक श्री चंदर सिंह सिसोदिया सहित जन-प्रतिनिधियों ने परिसर में पीपल के पौधों का रोपण किया।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि अन्नपूर्णा शक्ति पीठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री मधुसुधनानंदजी महाराज के 5100 पीपल के पौधों के रोपण का संकल्प अनुकरणीय है। भारतीय संस्कृति में पीपल के पेड़ का अत्यधिक महत्व है। उन्होंने कहा कि संतों के साथ सत्संग मनुष्य के लिये सौभाग्यशाली होता है, संत की तपस्या और उनका जप-तप जंगल को मंगल बना देता है। अतिथियों ने परिसर में गुरूकुल का शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम में अन्नपूर्णा शक्तिपीठ सेमलिया धाम पीठाधीश्वर श्री मधुसुधनानंदजी ने अपने उद्बोधन में धर्म, आध्यात्म और गुरु-शिष्य परम्परा का उल्लेख किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया ने किया। आभार श्री के.के. सिंह कालूखेड़ा ने माना।

फांसी के फंदे पर मिले महिला और युवक के शव

कुछ दिन पहले ही ससुराल से गुना आई थी; सुसाइड की आशंका

गुना (नप्र)। गुना में महिला और युवक के शव पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटके मिले हैं। मामला चांचौड़ा का है। पुलिस का मानना है कि दोनों ने सुसाइड किया है।

महिला शादीशुदा है और उसकी ससुराल राजस्थान में है। शादी से पहले से ही उसका प्रेम-प्रसंग मेरियाखेड़ी खुर्द गांव के महेश भील के साथ था। युवक अविवाहित था। बताया जाता है कि हाल ही में युवक महिला को उसकी ससुराल से लेकर आया था, इसके बाद बुधवार से दोनों लापता थे।

गुरुवार दोपहर दोनों के शव गांव के एक खेत में पेड़ पर लटके हुए मिले। यह खेत मृतक युवक के परिवार का ही बताया जाता है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिवार वालों को सौंप दिए गए।

भोपाल की 14 सड़कों पर बिछाए पेवर ब्लॉक

बारिश से 22 किमी हिस्से में हो गए थे गड्ढे; शाहपुरा-आकृति ग्रीन सिटी में ज्यादा परेशानी

भोपाल (नप्र)। बारिश की वजह से जर्जर हुई भोपाल की सड़कों को पीडब्ल्यूडी ने सुधारा है। जिन सड़कों पर ज्यादा बड़े गड्ढे थे, उनमें पेवर ब्लॉक बिछाए गए हैं। रॉयल मार्केट से भारत टॉकीज तक सड़क की रिपेयरिंग की जा रही है।

शाहपुरा, आकृति ग्रीन सिटी, छोला, रविशंकर मार्केट में पहली बार गड्ढों को पेवर ब्लॉक से भरा गया। पुराने शहर में एलबीएस हॉस्पिटल के सामने की सड़क की मरम्मत भी शुरू की गई है। इस सड़क का निर्माण ऐसी तकनीक से किया जा रहा है, जिससे सड़क की ऊंचाई नहीं बढ़ेगी। रॉयल मार्केट से भारत टॉकीज तक सड़क की नई तकनीक से रिपेयरिंग की जा रही है। ताकि सड़क की ऊंचाई नहीं बढ़ सकें।

चीफ इंजीनियर संजय मस्के ने बताया- भोपाल में पीडब्ल्यूडी की कुल 268 सड़कें 573 किलोमीटर लंबी है। जिनमें से 400 किमी सड़कें परफॉर्मेंस गारंटी में है। वहीं, 173 किमी सड़कें साधारण मरम्मत के अंतर्गत आती हैं। बारिश में 14 सड़कों की 22 किमी की लंबाई में करीब 523 वर्गमीटर में गड्ढे पाए गए थे।

तेज बारिश थमने के बाद 6 अगस्त को जब सर्वे किया गया तो 3 प्रतिशत सड़कों में गड्ढे मिले थे। जिन्हें भरने के लिए टीम मैदान में उतर गई।

ये तकनीक अपनाई, ताकि राहत मिल सके- चीफ इंजीनियर मस्के ने बताया, अबकी बार नई तकनीक से गड्ढे भरे गए हैं। जो गड्ढे ज्यादा गहरे थे, उनमें पेवर ब्लॉक रखे गए। बता दें कि शाहपुरा स्थित

प्रशासनिक अकादमी के सामने करीब 15 फीट लंबाई में सड़क पूरी तरह से जर्जर हो गई थी। इसे डामर और सीमेंट कांक्रीट के जरिए मरम्मत किया गया, लेकिन बारिश की वजह से फिर से सड़क जर्जर हो गई थी। इसलिए गड्ढों की पेवर ब्लॉक के जरिए मरम्मत की गई। ऐसी ही तकनीक आकृति ग्रीन सिटी, छोला, रविशंकर मार्केट समेत अन्य इलाकों की सड़कों पर भी अपनाई गई।एलबीएस हॉस्पिटल के सामने रॉयल मार्केट की सड़क की भी मरम्मत की जा रही है।

भोपाल में निगम की 4 हजार किमी से ज्यादा सड़कें- राजधानी में नगर निगम की सड़कों की तुलना में पीडब्ल्यूडी की सड़कें काफी कम है। निगम की 4 हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबाई की सड़कें हैं। बारिश की वजह से निगम की सड़कों की स्थिति ज्यादा जर्जर है। निगम ने भी मुख्य सड़कों की मरम्मत कराई है, लेकिन गली-मोहल्लों की सड़कें अभी भी जर्जर है।

एमपी में पीडब्ल्यूडी का 81 हजार किमी सड़कों का नेटवर्क- ईएनसी आरके मेहरा ने बताया, प्रदेश में कुल 81 हजार किलोमीटर सड़कों का नेटवर्क है। इसमें 9 हजार 315 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग, 12 हजार 568 किलोमीटर स्टेट हाईवे, 25 हजार 420 किलोमीटर मुख्य जिला मार्ग और 33 हजार 697 किलोमीटर ग्रामीण सड़कें शामिल हैं।

छतरपुर थाने पर पथराव केस में आरोपी का बंगला तोड़ा

बिना परमिशन 20 हजार वर्ग फीट में बना था; कांग्रेस सांसद बोले-संविधान कुचला जा रहा

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर में सिटी कोतवाली पर पथराव केस में सीएम डॉ मोहन यादव के निर्देश के बाद पुलिस कड़ा एक्शन ले रही है। गुरुवार को पुलिस ने पथराव करने के मुख्य आरोपी पूर्व कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष हाजी शहजाद अली के आलीशान बंगले पर बुलडोजर चलवा दिया। बंगला 20 हजार वर्ग फीट में बगैर परमिशन के बनाया गया है।

इस दौरान पोर्च में खड़ी फॉर्च्यूनर समेत तीन कारों को जेसीबी की मदद से दीवार तोड़कर बाहर निकाला गया। कारों पर भी जेसीबी चढ़ा दी गई। मुख्य आरोपी शहजाद अली परिवार समेत फरार हो गया है। उधर, पुलिस की बाइकर्स टीम ने अलग-अलग इलाके से 10 से 12 लोगों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

इस मामले को लेकर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। अपने एक्स अकाउंट पर इमरान ने लिखा- राज्य सरकारें बहाना तलाश कर मुसलमानों का घर तोड़ रही हैं, संविधान की शपथ लेने वाली मोदी सरकार इस बुलडोजर के नीचे हर दिन संविधान को कुचल रही है। जल्द ही इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाऊंगा।

वहीं, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि उन्होंने जिस तरह का आतंक मचाने का काम किया। ऐसे गुंडे, ऐसे अपराधी छतरपुर में एक कदम भर नहीं चल सकते। ऐसे लोगों को नेस्तनाबूद कर देंगे। किसी को नहीं छोड़ेंगे।

दरअसल, बुधवार (21 अगस्त) को समुदाय पर किसी शख्स के आपत्तिजनक कमेंट से नाराज लोग ज्ञापन सौंपने थाने पहुंचे थे। धीरे-धीरे बातचीत बहस और बहस उग्रता में तब्दील हो गई। लोगों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान टीआई समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास से मनाया जायेगा

शासन ने जारी किए दिशा-निर्देश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में आगामी 26 अगस्त 2024 को जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके लिये आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिये है। निर्देश में जन्माष्टमी पर्व पर भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों और उनसे जुड़े स्थलों पर आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जन्माष्टमी पर्व पर प्रत्येक जिले में भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों की साफ-सफाई कार्य एवं सांस्कृतिक कार्यकमों का आयोजन किया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा एवं मित्रता के प्रसंग तथा जीवन दर्शन के साथ भारतीय सांस्कृतिक परम्पराओं, योग आदि पर आधारित विभिन्न विषयों पर विद्वानों के व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सभी शासकीय/अशासकीय स्कूल/कॉलेज में आयोजित कराये जाएंगे। प्रदेश के ऐसे स्थल जहाँ भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में जुड़े विशेष प्रसंग स्थलों जैसे कि जानापाव, अमझेरा, नारायणा एवं सांदीपनी आश्रम उज्जैन में जन्माष्टमी के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

जन्माष्टमी पर्व को दृष्टिगत रखते हुए शास्त्र सम्मत मंदिर निर्माण के स्थापत्य एवं उनकी विशेषताओं से अधिक से अधिक लोगो को अवगत कराया जाएगा। इसके साथ ही हमारे गौरवशाली इतिहास के प्रसंगो, कथानकों, आख्यानों से सभी वर्गों को अवगत कराने के लिये भी समुचित कार्यवाही की जाएगी

संपादकीय

नया अध्यादेश–डेमेज कंट्रोल

मप्र में डॉ. मोहन यादव सरकार ने नगरीय निकायों में अविश्वास प्रस्ताव लाने की अवधि बढ़ाकर तीन वर्ष करने तथा उसे पारित कराने के लिए तीन चौथाई बहुमत अनिवार्य करने का अध्यादेश लाने का फैसला लेकर डेमेज कंट्रोल करने की कोशिश की है। क्योंकि प्रदेश में अभी तक नगरीय निकायों में अविश्वास प्रस्ताव लाने की न्यूनतम अवधि 2 वर्ष थी और राज्य में नगरीय निकायों को चुने हुए दो साल पूरे होने जा रहे हैं। ऐसे में कई नगरीय निकायों में अध्यक्ष व उपाध्यक्षों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी हो चुकी थी। जिससे कुछ जगहों पर अध्यक्षों की कुर्सी खतरे में थी। उसे बचाने के लिए राज्य सरकार ने अविश्वास प्रस्ताव लाने की अवधि एक साल और बढ़ा दी है। साथ ही अविश्वास प्रस्ताव भी अब तीन चौथाई बहुमत के बगैर पारित नहीं हो सकेगा। पूर्व में नियम यह था कि किसी नगर पालिका के किसी अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए दो-तिहाई पार्षदों की सहमति जरूरी होती थी। इस प्रकार कैबिनेट ने अपने ही पूर्व के फैसले को पलट कर अध्यक्षों की कुर्सी सुरक्षित कर दी है। नगरपालिका अधिनियम की धारा 43 क में संशोधन करके यह फैसला लिया गया। हालांकि यह आज की मौत कल पर ढकेलने जैसा ज्यादा है। दरअसल प्रदेश के कुछ नगरीय निकायों में राजनीतिक उठापटक तेज हो गई थी और सम्बंधित निकाय में अध्यक्ष की कुर्सी खतरे में आ गई थी। उदाहरण के लिए देवरी नगर पालिका में तो भाजपा पार्षदों ने अपनी ही पार्टी की अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश कर दिया था। नगर पालिका के 15 पार्षदों में से 9 पार्षद और 3 पार्षद प्रतिनिधियों ने कलेक्टर के समक्ष यह अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। पार्षदों ने अध्यक्ष नेहा अलकेश जैन के खिलाफ मनमानी करने, निर्माण कार्यों में अनियमितताएं, पार्षदों की अनदेखी और विकास कार्य न कराने के आरोप लगाए थे। तब कलेक्टर ने उन्हें आश्वासन दिया था कि नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अगर पुराने नियमो के तहत कार्रवाई तो अध्यक्ष नेहा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित हो सकता था। लेकिन नए आदेश के बाद मामला टल गया है। इसी तरह ताजा मामला बानमोर नगर पंचायत का है। यहां भी बीजेपी की पालिका अध्यक्ष गीता जाटव के खिलाफ भाजपा के ही पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। कहा जा रहा था कि, अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले पार्षदों में ज्यादातर पहले कांग्रेस पार्टी से पार्षद थे जो बाद में पार्टी बदलकर बीजेपी में शामिल हो गए थे। कुछ ऐसी ही स्थिति टीकमगढ़ नगरपालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार के साथ भी बनी थी। अब्दुल कांग्रेस के हैं। उनके खिलाफ भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों ने एक साथ मिलकर मोर्चा खोल दिया था। नगर पालिका के 27 पार्षदों में से 19 पार्षदों ने अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार पप्पू मलिक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करते हुए उन्हें हटाने की मांग की थी। अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले 19 पार्षदों में 10 भाजपा, 6 कांग्रेस और 3 निर्दलीय पार्षद हैं। यहां भी मुद्दा विकास कार्य न होने को बनाया गया था। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में कुल नगर निगम 16, नगर पालिकाएं 100 और नगर पंचायतें 264 हैं। ताजा अध्यादेश के बाद सभी नगरीय निकायों के अध्यक्ष/ उपाध्यक्षों को कम से कम साल भर के लिए तो अभयदान मिल ही गया है। संभव है कि अगले साल भी सरकार कोई नया अध्यादेश लाकर फिर अविश्वास प्रस्ताव लाने की अवधि में संशोधन कर दे। वैसे भी अविश्वास प्रस्ताव पारित कराने के लिए तीन चौथाई बहुमत जुटाना आसान नहीं है। लेकिन जिन अध्यक्षों के खिलाफ पार्षदों में भारी असंतोष है, सरकार को उस पर भी ध्यान देना चाहिए। अध्यादेश डेमेज कंट्रोल है, इलाज नहीं।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत गणराज्य के राष्ट्रपति के ओएसडी रह चुके हैं। आप पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में चेयर प्रोफेसर एवं अहिंसा आयोग के पैरोकार हैं।

जेंडर जस्टिस पर अमल करना होगा

सम्पूर्ण विश्व में यह बहस है कि 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की समान भागीदारी और नेतृत्व आवश्यक है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में निर्णय लेने के सभी स्तरों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है। राजनीतिक जीवन में लैंगिक समानता हासिल करना बहुत दूर की बात है। इससे वैश्विक पितृसत्तात्मकता के अधिनायकत्व की बू आती है। यदि आज विश्व की महिला हालातों पर ध्यान दें तो युद्धरत देशों में महिलाओं की स्थितियां बदतर हो चुकी हैं। उन्हें नेतृत्व मिलना तो किसी दिवा स्वप्न से कम नहीं लगता है। ऐसा लगता है कि दुनिया के राज्यों के वास्तविक चरित्र में ही कहीं न कहीं खोंट है। हाल ही में हुए एक अध्ययन से पता चला है कि मई 2024 तक, 28 देश ऐसे हैं जहाँ महिलाएं राज्यों की लीडरशिप सम्हाल रही हैं। सरकारों की प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं. लेकिन ऐसे में भी ज्यादा खुश होने की बात नहीं है. यह कोई आंकड़ा नहीं है जिससे खुश हुआ जाए। यदि आज के ही आंकड़े को बहुत सकारात्मक भाव से हम लें तो भी अगले एक शताब्दी बीत जाने तक सत्ता के सर्वोच्च पदों पर लैंगिक समानता हासिल नहीं की जा सकेगी, ऐसे हालात हैं। जब लैंगिक समानता किसी भी दशा में सुधारने की वैश्विक बहस होती भी है तो देश के नेतृत्व जब बहस के उपरान्त अपने-अपने देश जाते हैं तो वे अपने वादे, एजेंडे और कार्यान्वयन के लिए किए गए संकल्प वहीँ जैसे छोड़कर जाते हैं। महिलाओं को आगे बढ़ने या बढ़ाने में रूचि नहीं लेते। यदि ऐसा नहीं होता तो केवल कुछ ही देशों में महिला राज्य प्रमुख या शासन प्रमुख होतीं महिलाएं, ऐसा नहीं होता।

आज पूरा विश्व संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस की इसलिए तारीफ़ करता है क्योंकि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में शीर्ष स्तर पर नेतृत्व हेतु महिलाओं की प्रतिभागिता पचास प्रतिशत कर दी। जिन महिलाओं को संयुक्त राष्ट्र में काम करने का अवसर मिला वे ईश्वर के आशीष से ही केवल वह अवसर नहीं पायी हैं, अपितु उनकी दक्षता, क्षमता और उत्कृष्ट सोच, लीडरशिप से वह सब कुछ प्राप्त कर सकी हैं, ऐसा माना जा सकता है। एंतोनियो गुटेरेस ने निश्चय ही यह ज़रूर कोशिश की कि महिलाओं को काम करने का अधिकतम अवसर प्रदान किया, उन्हें प्राथमिकता दी। सबसे अहम् बात यह है कि उन्होंने खुद प्रयास किए फिर दुनिया में सबसे अपनी बात कही। संयुक्त राष्ट्र महिला-यूएन विमेन द्वारा पहली बार संकलित आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी 2023 तक नीति क्षेत्र का नेतृत्व करने वाले मंत्रालयों का नेतृत्व करने वाले कैबिनेट सदस्यों में 22.8 प्रतिशत महिलाएं प्रतिनिधित्व कर रही हैं और केवल 13 देश ऐसे हैं जिनमें नीतिगत क्षेत्रों का नेतृत्व करने वाले कैबिनेट मंत्रियों के 50 प्रतिशत या उससे अधिक पदों पर महिलाएँ हैं। महिला कैबिनेट मंत्रियों द्वारा रखे जाने वाले पांच सबसे आम विभाग हैं महिला और लैंगिक समानता, इसके बाद परिवार और बच्चों के मामले, सामाजिक समावेश और विकास, सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा, स्वदेशी और अल्पसंख्यक मामले। अच्छी बात यह है कि भारत में भी महिलाओं को कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य करने की सूची में शामिल किया गया है।

भारत को इसी से संतोष कर लेने की आवश्यकता नहीं है. यह बात इसलिए कही जा सकती है क्योंकि संसद में महिलाएं उस पैमाने पर नहीं पहुंची हैं जितना पहुंचना चाहिए। विश्व के ऐसे भी आंकड़े हैं जो भारत को बहुत पीछे धकेल रहे हैं। केवल छह देशों की संसद में एकल या निचले सदनों में 50 प्रतिशत या अधिक महिलाएँ हैं। भारत ऐसे देशों में शामिल नहीं है। रवांडा में 61 प्रतिशत महिलाएं कुल सांसदों की संख्या की तुलना में संसद में प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इसी प्रकार क्यूबा में 53 प्रतिशत, निकारागुआ में 52 प्रतिशत, मैक्सिको में 50 प्रतिशत, न्यूजीलैंड में 50 प्रतिशत और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व महिलाओं का है। आंकड़े बताते हैं कि अन्य 23 देश ऐसे हैं जिसमें 40 प्रतिशत तक महिलाएं प्रतिनिधित्व कर रही हैं. इनमें यूरोप के 13 देश, अफ्रीका के छह, लैटिन अमेरिका और कैरेबियन के तीन और एशिया का एक देश शामिल है, जहाँ महिलाएं नीतियों को बनाने, लागू करने और कार्यान्वयन में अपनी अहम् भूमिका निभा रही हैं।

महिलाओं को पीछे धकेलने वाले विश्व स्तर पर ऐसे 22 राज्य हैं जिनमें एकल या निचले सदनों में 10 प्रतिशत से भी कम सांसद महिलाएँ हैं, जिनमें एक निचला सदन भी शामिल है जहाँ महिलाएँ बिल्कुल भी नहीं हैं। विश्व में निचले सदनों में केवल 26.5 प्रतिशत ही सांसद महिलाएँ हैं, यह विश्व के बराबरी का राग अलापने वाले राज्यों के लिए भी शर्म की बात है। विश्व में प्रगति की वर्तमान दर यह बताती है कि राष्ट्रीय विधायी निकायों में लैंगिक समानता आने वाले पचास वर्ष से पहले हासिल नहीं की जाएगी। जब अमेरिका जैसे देश भी लैंगिक समानता हासिल नहीं कर पा रहे हैं तो अतिक्रमण करने वाले प्रशासन क्या ही करेंगे। लैटिन अमेरिका और कैरेबियन में 36 प्रतिशत संसदीय सीटें महिलाओं के पास हैं और यूरोप और उत्तरी अमेरिका में 32 प्रतिशत सांसद हैं।

विगत मार्च में सीएसडब्ल्यू की 68वीं बैठक हुई थी। उसमें एंतोनियो गुटेरेश ने कहा था कि राजनीतिक शक्ति क्षेत्र से लेकर, पुरुष प्रधान कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक, देशों की सरकारों और सिविल सोसायटी को साथ मिलकर, महिलाओं को शान्ति निर्माण, डिजिटल खाई को पाटने और लैंगिक समानता सुनिश्चित करने के लिए तमाम प्रयासों में शामिल किए जाने के लिए काम करना होगा। भले ही पितृसत्तात्मक व्यवस्था पलटवार कर रही हो, मगर हम भी अपने प्रयास जारी रखें। निर्णय लेने में महिलाओं और पुरुषों के बीच संतुलित राजनीतिक भागीदारी साझाकरण बीजिंग घोषणा पत्र में उल्लिखित हुआ था। निर्धारित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई के लिए बीजिंग मंच सहमत होकर लक्ष्य तक पहुँचने का निर्णय लिया था। किन्तु आज तक दुनिया के अधिकांश देशों ने लैंगिक समानता हासिल नहीं की है। विधायी रूप से ऐसे कानून के बिना देशों की तुलना में संसदों और स्थानीय सरकार में महिलाओं का प्रतिनिधित्व क्रमशः पांच प्रतिशत से सात प्रतिशत तक बढ़ा ज़रूर है और इस बात के प्रमाण हैं कि राजनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं का नेतृत्व उन्हें बेहतर बनाता है तो ऐसे में इसकी प्रतिशतता बढ़ेगी तो निःसंदेह जेंडर न्याय होंगे। भारत का ही उदाहरण लें, पंचायतों व स्थानीय परिषदों पर हुए शोध से पता चला है कि महिला-नेतृत्व वाली परिषदों वाले क्षेत्रों में पेयजल परियोजनाओं की संख्या ठीक हुई है। वहीं पुरुष-नेतृत्व वाली परिषदों में न्यूनतम आंकड़े दर्ज किए गए हैं। नॉर्वे का भी उदहारण लें, वहां की नगरपालिका परिषदों में महिलाओं की उपस्थिति से चाइल्ड-केयर योजनायें सुदृढ़ हुई हैं।

यहाँ तक कि जहाँ महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं वहां आत्मीय होकर वे सारे विरोधों को भूलकर, निजी स्वार्थों से परे काम करके राजनीतिक नेतृत्व का प्रदर्शन कर रही हैं। इससे राजनीतिक रूप से प्रतिस्पर्धी माहौल में भी लिंग आधारित हिंसा में गिरावट आई है, बदलाव महसूस किये गए हैं। परिजनों की देखभाल हो या बच्चों की देखभाल, पेंशन के मुद्दे हों या लिंग-समानता के उन्मूलन जैसे मुद्दे, सब पर व्यापक कार्य हुए हैं, जहाँ महिलाओं का नेतृत्व है। ऐसे नेतृत्व वाले क्षेत्रों में लैंगिक समानता के मुद्दों का समर्थन करके कानून और चुनावी सुधारों में भी अभिवृद्धि देखी गयी।

हमारे वेदों में तो कहा गया है समानो मंत्रः समितिः समानी जिसका तात्पर्य है हम एक समान विचार और लक्ष्य लेकर एक साथ काम करें। लेकिन यह नहीं कहा गया है की इसे केवल पुरुष करें। सामान लक्ष्य तो तभी मिल सकते हैं जब सबकी प्रतिभागिता समान सुनिश्चित हों. यह वेद व ऋचाओं के सूत्र केवल भारत के लिए लागू नहीं होते। इनके सन्देश तो सार्वभौमिक हैं. पूरे विश्व के लिए हैं। इसलिए संपूर्ण विश्व यदि समतामूलक समाज का हिमायती बन जाये तो पूरे जगत का कल्याण होगा। यह समता और बराबरी तो चहुमुखी होना ज़रूरी है। विश्व में नारियों के नेतृत्व का मुद्दा भी हमारी आज समता व भागीदारी की मांग कर रही है। यदि समय रहते दुनिया की सरकारें, निर्णायक भूमिका में बनी हुई संस्थाएं और न्याय में विश्वास बनाये रखने वाले व्यक्ति व समूह यह चाहते हैं की जेंडर जस्टिस के मुद्दे पर एक मत होना चाहिए और महिलाओं की भागीदारी बढे तो उन्हें खुलकर अब सामने आना पड़ेगा। उन्हें इस दिशा में पर्याप्त अवसर की खोज करनी होगी और उसी पैमाने पर महिलाओं को सम्मान देना होगा।

विश्व राजनीति

चेतनादित्य आलोक

वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

ब्रिटिश काल से ही बांग्लादेशी इस्लामिक कट्टरपंथ

बांग्लादेशी सेना प्रमुख के द्वारा प्रधानमंत्री शेख हसीना से त्याग-पत्र लेने और उन्हें 45 मिनट के भीतर देश छोड़कर भागने के लिए मजबूर करने के बाद वहां की परिस्थितियां जितनी तेजी से बदली हैं, उससे दुनिया भर में आश्चर्य का माहौल बना हुआ है। विशेष रूप से उक्त घटना के बाद से मुस्लिम देशों के शासकों के पसीने यह सोचकर छूटने लगे हैं कि न मालूम अगला नंबर किसका लगने वाला है... कहीं उनके देश में भी तो ऐसा कुछ नहीं हो जाएगा... कहीं उनकी सश्रा का सिंहासन भी तो उनसे नहीं छिन जाएगा। वहीं, दूसरी ओर लोकतंत्र के हिमायतियों और लोकतांत्रिक देशों के शासकों को आश्चर्य हो रहा है कि हाल तक एक समावेशी लोकतांत्रिक देश प्रतीत होने वाला बांग्लादेश अचानक इस कदर इस्लामिक कट्टरपंथियों के हाथों का खिलौना कैसे बन गया। तमाम घटनाओं को उनकी संपूर्णता में स्वीकार कर उन पर गहराई से विचार करने से मालूम होता है कि वास्तव में बांग्लादेश अचानक इस्लामिक कट्टरपंथियों के हाथों का खिलौना नहीं बन गया, बल्कि सन् 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्र होने के बाद से ही वहां पर लगातार इस्लामिक कट्टरपंथी, आतंकवादी एवं अन्य उग्रवादी समूहों और संगठनों ने अपनी शक्ति और आकार बढ़ाने का कार्य किया है। सबसे बड़ी आश्चर्य की बात तो यह कि उन्होंने अपना यह अभियान चोरी-छुपे नहीं चलाया, बल्कि वे हमेशा से मुखर रहे हैं।

गौरतलब है कि इन तमाम इस्लामिक कट्टरपंथी एवं आतंकवादी समूहों और संगठनों को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अपना खुला समर्थन और सहयोग प्रदान करती रही है। बांग्लादेशी इस्लामिक कट्टरपंथी एवं आतंकवादी समूहों और संगठनों तथा पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ का यह गंठजोड़ इतना घातक है कि इसने बांग्लादेश की धरती पर मानवता को तार-तार करने का कोई अवसर नहीं छोड़ा। इसी घातक समीकरण की दो प्रमुख कड़ियां जमात-उल-मुजाहिदीन एवं जमात-ए-इस्लामी नामक कट्टरता फैलाने वाले संगठन हैं। बता दें कि ये दोनों संगठन हमेशा से ही बांग्लादेश के मूल राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक ढांचे के विरूद्ध कार्य करते रहे हैं। दरअसल, इन संगठनों का लोकतांत्रिक पद्धति और शासन से कभी कुछ भी लेना-देना नहीं रहा है। ये तो बांग्लादेश का पूर्ण इस्लामीकरण करने के उद्देश्य से वहां पर लोकतंत्र तथा देश के समावेशी विकास के आधारस्वरूप सामाजिक ताने-बाने को ध्वस्त करने के प्रयास हमेशा से करते रहे हैं। ये वही इस्लामिक रैडिकल संगठन हैं, जिन्होंने बांग्लादेश को रैडिकलाइज कर उसकी 'अनेकता में एकता' की जड़ें खोदने का कार्य करते रहे हैं। इनमें 'जमात-उल-मुजाहिदीन, बांग्लादेश' (जेएमबी) एक सक्रिय स्वदेशी आतंकवादी संगठन है, जिसका उद्देश्य बांग्लादेश को एक इस्लामी राज्य बनाना और वहां शरिया के आधार पर चलने वाली सरकार का गठन करना रहा है।

बता दें कि अप्रैल 1998 में ढाका प्रभाग के जमालपुर में अब्दुर रहमान द्वारा इसको स्थापित किया गया था और इसकी आतंकी गतिविधियों के लिए पहली बार 2001 में बांग्लादेश में इसकी पहचान सार्वजनिक हुई थी। हालांकि गठन के बाद से ही इस आतंकवादी संगठन ने देश के उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों में आतंकियों की भर्ती करने, उन्हें प्रशिक्षण देने, धन जुटाने और अपने सदस्यों को संगठित करने का कार्य आरंभ कर दिया था। गौरतलब है कि 2005 में पूरे बांग्लादेश में धार्मिक हिंसा भड़काने के लिए तत्कालीन शेख हसीना सरकार ने इस संगठन को प्रतिबंधित कर दिया था, लेकिन यह संगठन अब तक काफी शक्तिशाली हो चुका था। इसलिए इसने सरकारी प्रतिबंध को धश्रा बताते हुए हार मानकर चुप बैठने के बजाए पलटवार किया और बांग्लादेश में शरिया कानून लागू करने की मांग को लेकर तत्कालीन बांग्लादेश के कुल 64 में से 63 जिलों में बम विस्फोट कराकर दहशत फैला दी थी। बांग्लादेश के इतिहास में जहरीले आतंकवाद के काले अध्याय की शुरूआत का वह दिन 17 अगस्त 2005 का था, जब 'जमात-उल-मुजाहिदीन, बांग्लादेश' ने पूरे बांग्लादेश में 300 स्थानों पर 500 बम विस्फोट किए थे। हालांकि उसके बाद शेख हसीना सरकार की सख्ती के कारण यह संगठन कमजोर होता गया, किंतु 2016 में एक बार पुनः इस आतंकवादी संगठन के गुर्गे संगठित हुए।

इस बार अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने बांग्लादेश में पंथनिरपेक्षतावादियों पर आक्रमण किए। उस दौरान उत्तरी बांग्लादेश में इसके गुर्गों ने कई सार्वजनिक हत्याएं भी कीं। इसी प्रकार 'जमात-ए-इस्लामी' इस्लामिक कट्टरता फैलाने वाला बांग्लादेश का एक राजनीतिक दल है, जिसका गठन इस्लामिक विचारक सैयद अबुल अला मौदूदी ने ब्रिटिश भारत के दौरान ही सन् 1941 में की थी। गठन के समय यह एक सामाजिक संगठन था, जिसका उद्देश्य मुस्लिम जनता को रैडिकलाइज कर एकीकृत इस्लामिक राष्ट्र बनाने का था, लेकिन उसका सपना पूरा होने से पहले ही टूट गया, जब सन् 1947 में भारत का विभाजन हुआ। बता दें कि विभाजन ने न केवल दो राष्ट्रों को, बल्कि भिन्न विचारधाराओं पर आधारित भारत और पाकिस्तान दो पृथक राज्यों को भी जन्म दिया। भारत एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र बना, जिसमें हिंदू बहुसंख्यक और बड़ी संख्या में मुस्लिम तथा जैन, बौद्ध, पारसी, सिक्ख, इसाई आदि कई अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी थे, जबकि पाकिस्तान एक मुस्लिम राज्य बना। जाहिर है कि विभाजन के बाद मौदूदी पाकिस्तान चले गए और वहां पर अपना एजेंडा चलाने लगे। फिर 16 दिसंबर 1971 को जब बांग्लादेश स्वतंत्र होकर एक अलग राष्ट्र बना, तब जमात ए-इस्लामी पार्टी भी दो फाड़ हो गई। इसका एक हिस्सा पाकिस्तान में रहा और दूसरा यानी पूर्वी धड़ा बांग्लादेश में फलने-फूलन लगा।

फिलहाल, जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामिक राजनीतिक पार्टी है, जो हमेशा से बांग्लादेशी राष्ट्रवादियों के विरोध में रही है। जमात-ए-इस्लामी वही संगठन है, जिसने 1971 के 'बांग्लादेश मुक्ति संग्राम' में बांग्लादेशी राष्ट्रवादियों के विरूद्ध पाकिस्तानी सेना को अपना समर्थन और सहयोग दिया था। यह वही पार्टी है, जिस पर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर हमले और अत्याचार करने के आरोप हमेशा से लगते रहे हैं। यहां तक कि वर्ष 2010 में 'अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्रिब्यूनल' ने जमात-ए-इस्लामी पार्टी के आठ नेताओं को 1971 युद्ध के अपराध का दोषी बताकर सजा सुनाई थी। वहीं, भारत में अयोध्या स्थित बाबरी विवादास्पद ढांचे के विध्वंस कर दिए जाने के बाद इस पार्टी के नेताओं और छात्र संगठन पर बांग्लादेश में हिन्दू विरोधी दंगे भड़काने तथा हिंदुओं को जान-माल की क्षति पहुंचाने और हिंदू मंदिरों आदि में तोड़-फोड़ एवं लूटपाट करने के भी आरोप लगते रहे हैं। देखा जाए तो पाकिस्तान स्थित इस्लामिक आतंकवादियों एवं आइएसआइ की शह, समर्थन और सहयोग के बल पर बांग्लादेशी कट्टरपंथी और आतंकवादी संगठन अवसर मिलते ही जी-भर उपद्रव करते... उत्पात मचाते और हिंदुओं के खिलाफ क्रूरता की हद तक हिंसक कार्रवाइयों को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि यह भी सच है कि शेख हसीना के प्रधानमंत्री रहते भर में उनकी दाल नहीं गल पाती थी, क्योंकि वह यथासंभव उन्हें रोकने, नियंत्रित करने और कमजोर करने के प्रयास करती रहती थीं।

दूसरी ओर पूर्व प्रधानमंत्री तथा साम्राज्यवादी देश चीन और आतंक परस्त देश पाकिस्तान की हमदर्द एवं शेख हसीना की दुश्मन नंबर एक मानी जाने वाली और बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' की अध्यक्ष खालिदा जिया के शासन काल में बांग्लादेश के तमाम कट्टरपंथी और आतंकवादी संगठनों को खूब प्रश्रय मिलता रहा है। दरअसल, ये तमाम कट्टरपंथी और आतंकवादी संगठन खालिदा जिया के लिए एक 'राजनीतिक टूल किट' की तरह कार्य करते रहे हैं। इस प्रकार देखा जाए तो एक तरफ बांग्लादेश में 'नकारात्मक राजनीति की बेगम' खालिदा जिया हैं, जिन्हें तमाम कट्टरपंथी और आतंकवादी संगठनों का समर्थन और सहयोग प्राप्त है, तो दूसरी ओर 'सकारात्मक राजनीति की बेगम' शेख हसीना हैं, जिन्हें तमाम बांग्लादेशी राष्ट्रवादियों का साथ और सहयोग तो प्राप्त है ही, वहां की एक करोड़ से भी अधिक की हिंदू आबादी सहित तमाम अल्पसंख्यक समुदाय के लोग, जो बांग्लादेश को एक खूबसूरत पंथनिरपेक्ष राष्ट्र बनाए रखना चाहते हैं, शेख हसीना के समर्थन में हमेशा ताल से ताल मिलाकर चलने के लिए तैयार रहते हैं।

(इतिश्री)

दुष्कर्म का जहरीला कीटाणु फल-फूल क्यों रहा है ?

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

कभी-कभी कोई विषय ऐसा होता है जब उस विषय पर लिखते हुए मन भारी हो जाता है। लेकिन लिखना जरूरी है कि आए दिन दुष्कर्म की खबरें सुर्खियों में रहने लगी है। इस संबंध में जब कहीं कोई हादसा होता है, आम आदमी के मन का आक्रोश उसे उद्वेलित कर देता है। कोई घटना किसी के साथ घटी, वह किसी के भी साथ घट सकती थी, इसे लेकर आदमी की तमाम चिंताओं में और भी अधिक इजाफा हो जाता है। ऐसी स्थिति में जो कोई आज सुरक्षित है, वह कब तक सुरक्षित है ? इसका कोई कहीं से कहीं तक पूर्वानुमान नहीं लगा सकता। ऐसी खबर कहीं की भी हो, आम आदमी सिंहर कर रह जाता है।

मीडिया के दर्शक या पाठक के लिए अब दुष्कर्म की खबरें कौतूहल का विषय नहीं अपितु घोर चिंता का विषय बनती जा रही है। आए दिन होने वाली ऐसी तमाम घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में यह सवाल लाजिमी है कि आखिर जमाने में आदमी के मन का मनोविकार इतना विकृत कैसे होता जा रहा है? कल तक हम अपने ही समाज एवं देश की गौरवशाली परंपरा का गुणगान करते नहीं थकते थे। संपूर्ण विश्व को मानवता का पाठ पढ़ाने में भी हम अग्रणी रहे हैं। जनमानस अपनी-अपनी धर्म संस्कृति पर सदैव गर्व करता रहा है। भारत भूमि पर जन्म लेने को हम अपने परम सौभाग्य का विषय समझते रहे हैं।

विश्व गुरु और सोने की चिड़िया का खिताब हमें सदियों से हासिल है। हम अपने आचार-विचार और व्यवहार में शुचिता और पवित्रता का परिचय देने वालों के रूप में जाने जाते रहे हैं। यही नहीं अपितु भारत भूमि में जन्म लेकर अपना इहलोक और परलोक संवारने की दिशा में भी प्रयास करते दिखाई देते रहे हैं। तमाम तरह के धार्मिक आयोजन में हजारों-लाखों की संख्या में उपस्थिति देकर धर्म के प्रति अपनी प्रबल आस्था का परिचय देते रहे हैं। परिवार और परिवार के सदस्यों को अलग-अलग नाम से संबोधित करते हुए हर एक रिश्ते की मर्यादा का पालन भी करते रहे हैं।

गरज यह कि दुनिया भर की नजरों में हमारा भारतीय होना हमें अतिरिक्त मान-सम्मान का पात्र बना देता है। लेकिन..... लेकिन इन दिनों एक के बाद एक दुष्कर्म की निरंतर बढ़ती घटनाएं इस बात पर गौर करनेको बाध्य करती है कि ऐसी मानसिकता के मूल कारणों को चिन्हित किया जाए, जिसके चलते ऐसी घटनाएं आम होती जा रही है। यह जरूरी नहीं है कि व्यापक स्तर पर विकृत मानसिकता के जनक की लंबी-चौड़ी खोज पड़ताल की जाए। तकनीकी संचार माध्यमों के चलते हम शायद इतनी तरक्की कर चुके हैं कि अब हमें नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से भ्रष्ट करने में कोई कसर नहीं रखी जा रही है।

दूसरी ओर आधुनिकता की ओट में सभ्यता एवं संस्कृति का चीरहरण किया जाने लगा है। बेहूदी फैशनपरस्ती, तमाम तरह की नशाखोरी, पाश्चात्य संस्कृति के प्रति जरूरत से ज्यादा आसक्ति भाव और अश्लीलता की पराकाष्ठा को पार करते टीवी सीरियल तथा फिल्मी चरित्र आखिर नई पीढ़ी को कौन से संस्कार दे रहे हैं ? इस विषय पर हर एक परिवार को संज्ञान लेने की नितांत आवश्यकता है। अन्यथा आज कोई और है कल कोई और..... यह सिलसिला जारी रहा तो विश्व बिरादरी के समक्ष हम अपना राष्ट्रीय मान-सम्मान और स्वाभिमान कितना सुरक्षित रख पाएंगे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

अरुण अर्णव खरे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

संयोग कैसे - कैसे

संयोग का बहुत महत्व है, हमारे जीवन में भी और आसपास घटती घटनाओं में भी । हम सबका सारा वजूद संयोग पर निर्भर है। हमारा जीवन भी संयोग की देन है । बात प्रागैतिहासिक है । संयोग से उस दिन सेव न गिरा होता, तो आदम के मन में हव्वा के प्रति प्रणय-प्रीति भी न पनपी होती । उस प्रीति पनपने का ही परिणाम है, मानव-जीवन का अस्तित्व में आना । यदि उस दिन ऐसा संयोग न बना होता तो क्या आज आप हमें पढ़ पा रहे होते ? नहीं, और आदम-हव्वा भी कबके बेऔलाद रुखसत हो गए होते । तो मानते हैं न कि इस आठ अरब आबादी के मूल में संयोग ही है ।मतलब संयोग है तो जिंदगी है । जिंदगी है तो संयोगों की कमी नहीं है। संयोगों की बड़ी अहमियत है जिंदगी में। संयोग से ही अनेक खोजें और आविष्कार हुए हैं । ऊपर से चीजें नीचे की ओर ही क्यों आती हैं- जैसा विचार न्यूटन के मन में संयोग से ही आया था । न आया होता तो क्या हम कभी गुरुत्वाकर्षण के बारे में जान पाते ? न कभी अंतरिक्ष खोज पाते और न ही वहाँ स्पेस स्टेशन बना पाते । बैंजामिन फ्रेंकलिन संयोग से बारिश के मौसम में पतंग न उड़ाते तो क्या बिजली की खोज कर पाते । हम आज भी लालटेन के सहारे अँधेरे से लड़ रहे होते और अंगोछे से अपना पसीना पौंछ रहे होते। यानि हमारी जिंदगी तो संयोग से थी ही, सारे ऐशो आराम भी संयोग ने ही जुटाए हैं ।

जिंदगी में कितने संयोग हैं, हम ठीक से गणना भी नही कर सकते । फिल्मों में हमने कुंभ के मेले में बिछुड़े लोगों को संयोग से वर्षों बाद मिलते देखा है, असल जिंदगी में भी ऐसा होता है । विभाजन के वक्त बिछड़े दो भाइयों, मोहम्मद सिद्दीक़ और मोहम्मद हबीब को करतारपुर कॉरिडोर ने मिलवा दिया, पूरे 75 साल बाद । कुछ लोग इसे किस्मत मान सकते हैं

लेकिन सोचिए, यदि करतारपुर कॉरिडोर बनने का संयोग नहीं बनता तो कैसे सिद्दीक और हबीब मिल पाते । विलियम शेक्सपियर के बारे में सभी जानते हैं लेकिन इस संयोग के बारे में कम लोग जानते हैं कि उनका जन्म 23 अप्रेल हुआ था और मृत्यु भी 23 अप्रेल को ।

हमारे देश के दो सर्वप्रिय खेल हैं क्रिकेट और राजनीति। दोनों का ही इतिहास संयोगों से भरा हुआ है। क्रिकेट को तो कहते ही हैं संयोगों का खेल, क्रिकेट बाई चांस। क्रिकेट में कितनी ही बार देखा गया है कि गेंद विकेट पर लगी लेकिन गिल्ली नहीं गिरी या फील्डर ने कैच पकड़ा पर बैलेंस बनाने के चक्कर में सीमा रेखा से बाहर निकल गया और बल्लेबाज आउट होकर भी आउट नहीं हुए। राजनीति में भी ऐसा होता रहता है । अनेक बार ऐसा संयोग बनते भी देखा है कि चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी कोई होती है लेकिन सरकार एक या दो सीट पाने वाली पार्टी बना लेती है। सरकार बनाने का दावा करने की कोई सोचता है और पद व गोपनीयता की शपथ आधी रात में भी गोपनीय तरीके से कोई ले लेता है ।नरसिंहा राव ने चुनाव नहीं लड़ा लेकिन संयोग से देश के प्रधानमंत्री बन गए । देवगौड़ा को भी दैवीय संयोग ने प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुँचा दिया । इस बार का संयोग तो और भी गजब का है । हमारे देश के मुखिया जी जानते थे कि गणित के एक फार्मूले में अतिरिक्त टू एबी कहाँ से आता है, संयोग से देश को अब पता चला है । यह अतिरिक्त टू एबी, कुर्सी पर संकट के समय आंध्र और बिहार से आता है ।

समूची दुनिया में शायद ही कोई होगा जिसका संयोग से वास्ता न पड़ा हो । संयोग है तो हम हैं, राजनीति है, खेल हैं, खुशियाँ हैं, वियोग है और इन सबसे ऊपर आनंद है, अचंभा है, मजा है । मेरे एक परिचित हैं वह जिस लड़की से एकतरफा प्यार करते थे संयोग से उसी से उनकी अरैंज मैरिज हो गई । मेरे एक रिश्तेदार चाहते थे कि उनकी पत्नी को पुत्र-रत्न की प्राप्ति, पिताजी की पुण्यतिथि पर हो और संयोग देखिए, इसी साल पिताजी की पुण्यतिथि पर बिना सीजेरियन उनको पुत्र-रत्न की प्राप्ति हो गई । है न गजब का संयोग ।

रेप कांड

विवेक रंजन सिंह

लेखक -महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा में पत्रकारिता विभाग के छात्र हैं।

नारे, जुलूस, कैंडल मार्च से आगे सोचने का वक्त

एक हद तक देखा जाए तो देश में बढ़ रही पोर्नोग्राफी और अश्लीलता का प्रचार प्रसार भी इसके लिए काफी हद तक जिम्मेदार हैं। लगातार ऐसी फिल्में बन रही हैं जिनमे हिंसा करने के अलग-अलग तरीकों को दिखाया जा रहा है। समाज उसके दुष्प्रभावों पर केंद्रित न होकर उस हिंसा से प्रेरित हो रहा है। भारत में अनकट पोर्न वीडियो को बिना किसी सेंसर लोगों के सामने परोस दिया जा रहा है। मोबाइल युग में पल बढ़ रही पीढ़ी सेक्स को सिर्फ एक आनंद और शारीरिक संतुष्टि तक ही समझ रही है, बल्कि उससे ज्यादा जरूरत है कि वो इसके फायदे और नुकसान को सही तरीके से समझे और जाने। अब यह जरूरी हो चुका है कि सेक्स के विषय में भारत की पीढ़ी को बिल्कुल वैसे ही जागरूक करने की जरूरत है जैसा उन्हें अपनी संस्कृतियों और परम्पराओं के प्रति जागरूक होने पर जोर दिया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में हुई दरिंदगी की घटना ने फिर से भारत की जनता और यहां के लोकतंत्र को शर्मसार किया हैं। दिल्ली में हुए निर्भया कांड के बाद समूचे देश में विरोध प्रदर्शन, कैंडल मार्च और आंदोलनों के जरिए दोषियों को फांसी दिए जाने की जो मांग उठी थी, वो एक बार फिर भारत से उठनी शुरू हो गई है। निर्भया के बाद से लेकर अब तक ऐसी तमाम घटनाएं सामने आ गई हैं जिनको देखकर या सुनकर किसी का भी कलेजा फट जाएगा मगर कितने दिन तक? कठुवा, उन्नाव, हाथरस जैसे न जाने कितने मामले हैं जो कुछ दिनों तक सुनाई देते हैं और फिर शांत हो जाते हैं। उनकी जगह कोई और घटना ले लेती है। राजनीति की जद में जैसे ही ये मुद्दे आते हैं, लोग समस्या के खत्म होने की मांग करने के बजाय न्याय देने, जुलूस निकालने, मुआवजे देने और तरह तरह से एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करने में जुट जाते हैं। कलकत्ता में हुई घटना में यही हो रहा हैं। भाजपा अलग आंदोलनों में जुटी है और ममता बनर्जी द्वारा किए जा रहे विरोध को साजिश बताने में लगी है। सत्ताधारी पार्टी के नेता ममता सरकार की आलोचना में लगे हैं। सभी फांसी की मांग करने में लगे हैं। मगर वो फांसी की मांग कर किससे रहे हैं, ये सोचने की बात है।

महिलाओं की सुरक्षा के मामले में पश्चिम बंगाल खासकर कलकत्ता अन्य राज्यों और शहरों की अपेक्षा आगे है। बंगाल की धरती पर हमेशा बुद्धिजीवियों का प्रभाव रहा है फिर ऐसी कुत्सित मानसिकता के जन्म लेने का कारण क्या है वो भी एक ऐसे स्थान पर जो बंगाल के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित संस्थानों में एक माना जाता है।

ऐसा नहीं है कि ममता सरकार में यही एक बड़ा मामला हुआ है। इससे पहले भी उनकी सरकार में कई बड़े ऐसे कांड हो चुके हैं जो ममता सरकार के शासन प्रणाली पर सवाल खड़ा करते हैं। सवाल तो अब भी खड़े हो रहे हैं और इन सवालों का जवाब हम न तो सरकार से पा सकते हैं और न ही प्रशासनिक व्यवस्था से। इन सवालों का जवाब ढूंढने के लिए हमें समाज के भीतर झांकना होगा कि आधुनिक होती दुनिया में ऐसे कृत्यों को अंजाम देने वालों के विचार इतने कुत्सित और वीभत्स क्यों होते जा रहे हैं।

जब भी इस तरह की घटनाएं किसी बड़े शहर में होती हैं तो वो मीडिया के केंद्र में होती हैं मगर आंकड़े कुछ और ही बयां करते हैं। एनसीआरबी की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में एक दिन में औसतन 87 रेप की घटना होती है, जिनमे अगर हम राजधानी दिल्ली की बात करें तो वहां की पुलिस के मुताबिक एक दिन में पांच से छह रेप की घटना शामिल है। एनसीआरबी अपनी रिपोर्ट में ये भी कहती है कि पिछले सालों के मुकाबले भारत में रेप की घटनाओं में साढ़े तेरह प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनमे राजस्थान,मध्य प्रदेश,उत्तर प्रदेश और दिल्ली में सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। ये आंकड़े हमारे सामान्य ज्ञान को बढ़ाने भर में सहायक है मगर हमे ये सोचना होगा कि आखिर इन आंकड़ों के बढ़ने के पीछे मूल वजह क्या है?

तमाम घटनाएं ऐसी भी है कि जिनपर मीडिया की नजर नहीं जाती या कहें कि मुख्य धारा की मीडिया उन पर नजर डालना हो नहीं चाहती। वो मीडिया के लिए उनकी टीआरपी के लिए महत्वपूर्ण नहीं होते। मीडिया का राजनीतिकरण होना समाज के लिए कई मायनों में खतरनाक है। दिल्ली और कलकत्ता में हुई घटना पर मीडिया राजनीतिक राग गाने में असल मुद्दे से जनता को भटकाने में ही लगी है। कलकता में हुई घटना में ज्यादातर मीडिया यही कर रहे है। वो वही करती हुई नजर आ रही है जो तमाम दल एक-दूसरे के लिए कर रहे हैं। मणिपुर की हिंसा पर उसकी चुप्पी या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी आखिर किस मानसिकता की ओर इशारा करती है? क्या देश के प्रधानमंत्री तभी बोलना पसंद करते हैं जब वो घटना उनकी विपक्षी सरकार के भीतर घटे? अब जब ममता खुद आंदोलन पर उतर आई हैं तो भी भाजपा उनपर लगातार हमलावर होती जा रही है और कह रही कि जिनको जवाब देना चाहिए वो खुद प्रोटेस्ट करने में लगे हैं। जबकि यही बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी लेकर कही जाती रही है कि उनके ही डबल इंजन के सरकार वाले राज्य मणिपुर में जब दो महिलाओं को नंगा घुमाया गया तब वो कुछ नहीं बोले, न ही वहां गए और न ही किसी प्रकार का विरोध दर्ज कराया। ये राजनीतिक खेल में आखिर पिस तो जनता ही रही है? फिर एक बड़े जनांदोलन की गूंज क्यों नहीं सुनाई दे रही है? बड़े जनांदोलन से भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात ये है कि एक सामूहिक आंदोलन के उठने का सही समय कब आएगा जब ऐसे मुद्दों पर सभी दल और संगठन एक साथ सड़कों पर उतरेंगे।

यह भी गलत कहना नहीं होगा कि हिंसा और बलात्कार की भी राजनीति अब धर्म, जाति और समुदाय का चोला ओढ़ चुकी है। ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई घटना पर देश भर के डॉक्टर की रैलियां निकल रही है, आत्मा की शांति के लिए गुहार लगाई जा रही है, मगर इसका असर कब तक होगा, ये देश ने अच्छे से देख और समझ लिया है। काम का बहिष्कार करने और कैंडल मार्च से कोई दूरगामी प्रभाव होगा, मुझे तो नहीं उम्मीद। क्योंकि भारत की राजनीति में ऐसे मामलों को दबाने या फिर ध्यान हटाकर किसी नए मुद्दे पर जनता को उलझा देने का पाठ देश के नेताओं ने सीख लिया है। उन्हें ऐसे आंदोलनों को तोड़ने की तरकीब अच्छे से पता है। वो बेहतर जानते हैं कि देश में धर्म, जाति और समुदाय, संगठन के नाम पर सभी आंदोलन आपस में बंटे हुए है, जिनमे उनका हो फायदा है।

महिलाओं के सेल्फ डिफेंस और उनके सशक्तिकरण की बात के इतर कुछ और उपाय ढूंढना होगा जिससे समाज के भीतर महिलाओं को एक स्वस्थ और मजबूत वातावरण मिल सके। बलात्कार और उसके बाद हिंसा करने की सोच आख़िर कैसे समाज के भीतर पनप रही है? कौन से तत्व हैं जो समाज को इस कदर विकृत बना रहे हैं। एक हद तक देखा जाए तो देश में बढ़ रही पोर्नोग्राफी और अश्लीलता का प्रचार प्रसार भी इसके लिए काफी हद तक जिम्मेदार हैं। लगातार ऐसी फिल्में बन रही हैं जिनमे हिंसा करने के अलग अलग तरीकों को दिखाया जा रहा है। समाज उसके दुष्प्रभावों पर केंद्रित न होकर उस हिंसा से प्रेरित हो रहा है।

भारत में अनकट पोर्न वीडियो को बिना किसी सेंसर लोगों के सामने परोस दिया जा रहा है। मोबाइल युग में पल बढ़ रही पीढ़ी सेक्स को सिर्फ एक आनंद और शारीरिक संतुष्टि तक ही समझ रही है, बल्कि उससे ज्यादा जरूरत है कि वो इसके फायदे और नुकसान को सही तरीके से समझे और जाने। अब यह जरूरी हो चुका है कि सेक्स के विषय में भारत की पीढ़ी को बिल्कुल वैसे ही जागरूक करने की जरूरत है जैसा उन्हें अपनी संस्कृतियों और परम्पराओं के प्रति जागरूक होने पर जोर दिया जा रहा है। एक अच्छे और बेहतर सेक्स एजुकेशन से समाज के भीतर यौन शिक्षा को लागू करने की जरूरत है क्योंकि हमे यह मानना पड़ेगा कि इस तरह घटनाओं में भले ही एक दूसरे पर राजनीतिक लांछन लगाए जा रहे हो मगर समाज के विक्षिप्त होने में कहीं न कहीं गंदी मानसिकता भी दोषी है।

वक्रोक्ति

विजी श्रीवास्तव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

नए ब्रांड की बहू

बहुगुणा परिवार की खुशियां उस समय बहुगुणित हो गईं जबकि उनका होनहार बीरवान, एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में बड़े वेतन वाला पद पा गया। तय था कि अब बहुगुणा परिवार का अगला लक्ष्य् उसके लिए सुन्दर, सुशील और टिकाऊ बहू लाना होगा। वैसे तो बहुगुणा सुत बहुमुखी प्रतिभा का धनी था किन्तु अकेले प्रतिभा से क्या होता है यदि अंटी में दम न हो। इसलिए श्री एवं श्रीमती बहुगुणा एंड फैमिली, जोर-शोर से बेटे की पैकेज-अनुकूल शादी के गुणा भाग में में लग गई।

बहुतायत से कन्याएं देखने का अभियान चला। बहुतेरी कन्याओं ने भी सपूत को बहुतेरे एंगिल से देखा पर इधर से न उधर से, बात जमी नहीं। बचपन से लेकर अभी तक श्रीमती बहुगुणा की न जाने कितनी मन्नतें भगवान ने मानी थीं लेकिन बहू के लिए की गई मांग को पूरा करने में बहुत देर लगा रहे थे। भगवान भी क्या करें। अरबों की जनसंख्या और हर एक की बहुउद्देशीय मन्नतें। एक पूरी करो, चार फिर तैयार। नालायक लोग, धरम करें नहीं लेकिन नई नई मांगें - रोज़ रोज़। इसलिए बहुगुणा परिवार की मांग लंबे समय तक भगवान के इजलास में पैंडिंग पड़ी रही। बड़ी मुश्किल के बाद भगवान की कृपा से पुत्र को किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर घूमते प्यार हो गया। उसकी लव मैरिज की घोषणा से बहुगुणा परिवार में सुनामी तो आई किन्तु यह खुशियों का उफान था। मध्यम वर्गीय परिवारों में लव मैरिज करना कोई छोटा-मोटा स्टेंटस सिम्बॉईल नहीं, शान की बात होती है। श्रीमती बहुगुणा ने बड़े गर्व से यह खुशी प्रसारित कर दी कि उनका पुत्र लव मैरिज कर रहा है।

आने वाली बहू खुद भी बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करती थी। इसलिए इलेक्ट्रानिक गति से चट मंगनी-पट ब्याह हुआ और बहुगुणा परिवार बहु-सम्पन्न हो गया। बहू दिखने में शासकीय सपने सी नहीं थी किन्तु उन्होंने यह कहकर लोगों के मुंह पर ताले लगा दिये कि वे ऐसी वैसी नहीं बल्कि सुपरवुमेन बहू लेकर आई हैं। बिल्कुल लैटेस्टी ब्रांड की।

किन्तु। ब्रांडेड बहू एक दिन भी नई नहीं रही। शादी के दूसरे दिन से ही कंपनी काज में क्रियाशील हो गई। बहुगुणा सासू मॉ को समझ ही नहीं आ रहा था कि कोसें भी तो किसे? उनकी बहुरिया ने तो बहू बेटी के लच्छन तक अपनी कंपनी से पाए थे। सुबह आंख देर से खुलती थी पर कुल्ले करने से पहले वो अपने लेपटॉप को नमन करके काम करने बैठ जाती थी। उसकी चौका छुलाई करवाने तक को सास तरस गई। क्यों तो मायका और क्या ससुराल, सारे रिश्ते नाते बहू ने कंपनी में गिरवी रखे हुए थे। बहू का सूरज जिस समय भी उगता, वो आंख खोलते ही लैपटॉप के अंदर समा जाती। श्रीमती बहुगुणा के चरण जो बहू आने की खुशी में जमीन पर नहीं पड़ते थे, अब अपनी गठिया वात की बीमारी भूलकर इधर से उधर दौड़ते फिरते थे। बतौर सास, वे बहू मुखी थी किन्तु बहू के कंपनी मुखी होने से बड़ी दुखी थीं। उन्हें लगता था कि दिन भर में पांच हजार बार यस सर, एक हजार बार नो सर और दस हजार बार थैंक्यू? सर बोलना ही बहू की नौकरी है। वो चाहती थीं कि दिन में कम से कम दो चार बार बहू उनसे भी यस-नो-थैंक्यू मम्मी ही बोल ले। बेटे का कमरा तो पहले ही अलग था, एक कमरे को बहू ने ऑफिस बना डाला। इस ऑफिस परिक्षेत्र के इर्द-गिर्द, ससुर खर्राटे लेने में और सास सांस तक लेने में डरती थीं। काम के लंबे घंटों में वहां कर्फ्यू लगा होता। इसके बाद पुत्र और पुत्र बहू अपना-अपना लेपटॉप बंद करके जमुहाइयां लेते रहते। दोनों का शनिवार और इतवार नींद के हवाले होता था। आदमी की जाति, ठोकर खाकर ही सम्भालती है। बहुगुणा दम्पत्ति को अभी छोटे बेटे की शादी भी करना है। लेकिन वो सोच में हैं कि इस बार या तो पूर्ण स्वादेशी बहू लाएंगे या थोड़ा रूक कर देखेंगे, शायद कोई मल्टी फंक्शनल ए आई बहु ही उन्हें मिल जाए।

दुनियाभर में मंडराता मंकीपॉक्स का खतरा

सेहत

अली खान

स्वतंत्र लेखक

विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ ने कांगो और अफ्रीकी देशों में मंकीपॉक्स के प्रकोप को वैश्विक आपातकाल घोषित कर दिया है। विदित होगा कि डब्ल्यूएचओ ने पहली बार 2022 में मंकीपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। बता दें कि मंकीपॉक्स वायरस की पहचान पहली बार 1958 में डेनमार्क में अनुसंधान के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बंदरों में की गई थी। पहली बार इंसान में इसका मामला 1970 में कांगो में देखा गया। तब से इसका प्रकोप लगातार जारी है। दो साल पहले जब इस वायरस का एक रूप क्लैड आइआइवी विश्व स्तर पर फैलना शुरू हुआ, तब डब्ल्यूएचओ ने मंकीपॉक्स को आपातकाल घोषित किया था। तब इसके ज्यादातर मामले पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों में देखे गए। वर्तमान में कांगो में इसका अब तक का सबसे खतरनाक प्रकोप देखा जा रहा है। जनवरी, 2023 से अब तक वहां 27000 मामले और 1100 से अधिक मौतें देखी गई हैं। जिनमें मुख्य रूप से बच्चे शामिल है।

डब्ल्यूएचओ ने इस बीमारी के प्रकोप का अध्ययन करने और इसे वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने के दृष्टिगत संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एंजेसी के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस के साथ विशेषज्ञों की एक बैठक बुलाई थी, जिसमें यह निर्णय लिया गया। टेड्रोस ने मंकीपॉक्स को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करते हुए कहा कि आज आपातकालीन समिति ने बैठक की और मुझे सलाह दी कि उनके विचार में स्थिति अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। मैंने उस सलाह को स्वीकार कर लिया है। यह ऐसी बात है कि जिस पर हम सभी को चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में वैश्विक प्रतिक्रिया का समन्वय करने, प्रभावित देशों में से प्रत्येक के साथ मिलकर काम करने और संक्रमण को रोकने, संक्रमित लोगों का इलाज करने और जीवन बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। अफ्रीका और उससे आगे इसके फैलने की संभावना बहुत चिंताजनक है। अधिकारी विभिन्न देशों में संचरण के विभिन्न तरीकों और जोखिम के विभिन्न स्तरों के साथ मंकीपॉक्स के कई प्रकोपों का सामना कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत में मंकीपॉक्स का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। फिलहाल, देश में इस रोग के प्रकोप का अधिक खतरा नहीं है। गौरतलब है कि डब्ल्यूएचओ ने पहली बार 2022 में मंकीपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था, तब भारत में कुल 30 मामलों का पता चला था। भारत में मंकीपॉक्स का आखिरी मामला इस साल मार्च में मिला था।विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मंकीपॉक्स को फिर से वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर मंकीपॉक्स की स्थिति और तैयारियों की समीक्षा की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, फिलहाल मंकीपॉक्स का खतरा नहीं है। हालांकि मंत्रालय ने आने वाले हफ्तों में कुछ मामलों का पता चलने की आशंका को खारिज नहीं किया। कहा, मंकीपॉक्स के प्रसार को रोकने व नियंत्रित करने के लिए ऐहतियाती कदम उठाए जाएंगे। समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया कि सावधानी के तौर पर सभी हवाई अड्डों, बंदरगाहों और सीमा क्षेत्र में सतर्कता बरतने, 32 परीक्षण प्रयोगशालाओं को तैयार करने, किसी भी मामले का पता लगाने, प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य केंद्रों की क्षमताएं बढ़ाने जैसे कदम उठाए जाएंगे। इस बीच आम-आदमी के मस्तिष्क में इस सवाल का कौंधना स्वाभाविक है कि आखिर मंकीपॉक्स किस बला का नाम है? दरअसल, मंकीपॉक्स एक वायरल संक्रमण है। जो मंकीपॉक्स वायरस के कारण होता है। यह बीमारी मुख्यतः अफ्रीका के कुछ हिस्सों में पाई जाती है और इसमें मनुष्यों को संक्रमित करने की क्षमता होती है। मंकीपॉक्स वायरस, पॉक्स वायरस परिवार का हिस्सा है, जो एक प्रकार के वायरस से संबंधित है। यह वायरस मुख्यतः जानवरों (जैसे बंदर, गिलहरी और अन्य) से मनुष्यों में फैलता है। जहां तक मंकीपॉक्स वायरस के फैलने का सवाल है, तो मंकीपॉक्स संक्रमित जानवरों के संपर्क में आने, उनके खून, मुंह के लार या त्वचा के संपर्क से फैल सकता है। यह वायरस संक्रामक व्यक्ति के सीधे संपर्क या उसके संपर्क में आने वाले वस्त्रों और सामानों के माध्यम से भी फैल सकता है। वहीं, अगर हम इनके लक्षणों की बात करें तो मंकीपॉक्स वायरस के लक्षण फ्लू जैसे होते हैं। इसमें बुखार, ठंड लगना, थकावट, पेशाब करने में दर्द होता है। साथ ही त्वचा पर चकत्ते और फुंसी निकल आती है। मंकीपॉक्स वायरस के उपचार की बात करें तो अधिकांश मामलों में दवा से लक्षण ठीक हो जाते हैं, लेकिन बीमारी गंभीर हो सकती है। कुछ मामलों में यह जानलेवा भी है। खासतौर पर कमजोर लोगों जैसे कि नवजात शिशु, गर्भवती महिलाओं को इससे ज्यादा दिक्कतें हो सकती है। आंकड़ों के मुताबिक, मंकीपॉक्स से पीड़ित 0.1 फीसदी से 10 फीसदी के करीब लोगों की मौत हो गई है। हालांकि मृत्यु दर संक्रमित रोगियों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं पर बहुत अधिक निर्भर करती है। कांगो में इससे मृत्यु दर लगभग चार फिसदी रही है। मंकीपॉक्स से बचाव के लिए टीके भी उपलब्ध है, लेकिन व्यापक रूप से उपलब्ध नहीं है।

दुनियाभर में मंकीपॉक्स वायरस के मंडराते खतरे को कम करना अत्यावश्यक है। मंकीपॉक्स वायरस के संक्रमण या प्रसार को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने जाने निहायत ज़रूरी है। साथ ही, हमारी जागरूकता हमें किसी भी संक्रमण से बचा सकती है। ऐसे लोगों के साथ निकट संपर्क से बचें जिनके शरीर पर मंकीपॉक्स जैसे दाने हों या मंकीपॉक्स के लक्षण दिखाई पड़ते हो। ऐसे कपड़े, चादरें, कंबल या अन्य सामग्री को छूने से बचें, जो किसी संक्रमित जानवर या व्यक्ति के संपर्क में आए हों। एमपॉक्स से पीड़ित लोगों को स्वस्थ लोगों से अलग रखें। किसी संक्रमित व्यक्ति या जानवर के संपर्क में आने के बाद अपने हाथों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं। अगर साबुन और पानी उपलब्ध न हो, तो अल्कोहल-आधारित हैंड सैनिटाइज़र का इस्तेमाल अवश्य करें। ऐसे जानवरों से बचें जो वायरस फैला सकते हैं। मंकीपॉक्स वायरस से बचाव में हमारी जागरूकता बेहद महत्वपूर्ण है। लिहाजा, हमें मंकीपॉक्स के लक्षणों के प्रति जागरूक रहते हुए साफ-सफाई का विशेष ख्याल करना होगा।

कोलकाता केस

एल.एस. हरदेनिया

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

देश में सुरक्षा का वातावरण नहीं है आखिर क्यों?

कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या भी कर दी गई। यह अत्यधिक दुखद घटना है। इसके विरोध में पूरे देश के डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्यकर्मी आक्रोश प्रकट कर रहे हैं। डॉक्टरों के साथ यह पहली घटना नहीं है। डॉक्टर अब सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम मांग रहे हैं। उनका कहना है कि उनकी सुरक्षा के लिए केन्द्रीय सरकार कानून बनाए। यहाँ यह बताना आवश्यक होगा कि पूरे देश में इस समय असुरक्षा की भावना है। समाज का कोई भी ऐसा वर्ग नहीं जो अपने को असुरक्षित महसूस नहीं कर रहा हो। यहां तक कि वे भी अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं जिन पर दूसरों को सुरक्षा देने की जिम्मेदारी है। आखिर क्यों? शायद इसलिए कि लोगों में अब कानून का भय खत्म हो गया है। प्रसिद्ध शासकीय अधिकारी श्री एम. एन. बुच (जो अब नहीं हैं) बताते थे कि जब वे बैतूल में कलेक्टर थे किसी विषय को लेकर एकाएक बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई। भीड़ ने आक्रामक रूप ले लिया। जिस स्थान पर भीड़ थी और अपना रोष प्रकट कर रही थी, उस स्थान पर पुलिस का एक ही सिपाही था। उसने भीड़ के लिए एक रेखा खींच दी और और कहा कि जो इस रेखा को पार करेगा उसे सख्त कानून का सामना करना पड़ेगा। उसकी इस चेतावनी का असर हुआ और भीड़ आगे नहीं बढ़ पाई।

लॉ एंड आर्डर अथोरिटी अधिकारियों का ऐसा ही दबदबा हुआ करता था। अब तो आए दिन यह खबरे मिलती हैं कि रेत खनन माफिया ने बड़े अधिकारी पर हमला किया। जब उसने उनके विरूद्ध चोरी कर रेत ले जाने का अपराध कायम किया। अभी तक कई बड़े-बड़े अधिकारी खनन माफिया के शिकार हो चुके हैं।

अनेक कॉलेजों में और स्कूलों में आए दिन शिक्षकों पर हमले होते हैं। कुछ दिन पहले उज्जैन में सरेआम एक शिक्षक की हत्या कर दी गई। अभी हाल में भोपाल के एक कॉलेजों के संचालक पर दिन-दहाड़े हमला कर दिया गया। हमला करने वाले विद्यार्थी परिषद से संबंधित थे। विद्यार्थी परिषद इस समय के सत्ताधारी पार्टी से संबंधित हैं। रेलवे में यदि टीआई टिकट का पूछता है तो उस पर हमला कर दिया जाता है। अतिक्रमण कर अनेक लोग मकान बना लेते हें। जब अधिकारी उनको हटाने जाते हैं तो उन पर हमला कर दिया जाता है। बिजली का बिल नहीं देने पर बिजली बोर्ड के अधिकारी उस क्षेत्र की बिजली काटने जाते हैं तो उन्हें मारकर भगा दिया जाता है। बैंक का कर्ज वसूल करने के लिए यदि टीम जाती है तो उसे मोहल्ले में प्रवेश नहीं दिया जाता है। महिलाओं के साथ आए-दिन दुष्कर्म हो रहे हैं। जब अपराधी को गिरफ्तार करने की कोशिश की जाती है तो इसी तरह की प्रतिक्रिया होती है और प्रभावशाली व्यक्ति उस अपराधी की रक्षा में खड़े हो जाते हैं।

अभी हाल में एक भाजपा के विधायक ने सांसदों को गाली (चूतिया कहा) दी और कहा कि इन्हें संसद से बाहर कर दिया जाये। अभी तक उसके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई पता नहीं है। बिहार की राजधानी पटना में विरोधी दल के बड़े नेता इकट्ठा हुए थे। भाजपा ने इस घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि पटना में चोरों का सम्मेलन हो रहा है।

कुल मिलाकर यदि वास्तविक हिंसा नहीं तो एक-दूसरे के बारे में हम हिंसक भाषा का उपयोग कर रहे हैं। इसे कैसे रोका जाए? यदि डॉक्टर के साथ हिंसा जारी रही तो फिर रोगियों का क्या होगा। कोलकता की घटना के पीछे क्या तथ्य हैं यह पता नहीं लगा है। परंतु जो समाज को संचालित करते हैं और जिनका समाज पर दबदबा रहना चाहिए यदि वे ही ऐसी स्थिति में आ जाएं कि वे असामाजिक तत्वों से डरें और अपना कर्तव्य निर्वहन न कर पाएं तो पूरे समाज में

अराजकता फैल जाएगी। ब्रिटेन में पुलिस का इतना दबदबा है कि साधारणतः असामाजिक तत्व अपना सिर नहीं उठा पाते हैं। अमरीका में भी असामाजिक तत्वों को भी डर कर रहना पड़ता है। वहां न्याय की प्रक्रिया अत्यधिक द्रुत गति से चलती है। अभी कुछ दिन पहले वहां के एक काले नागरिक को गौरे पुलिस वाले ने मारडाला था। उसका अपराध द्रुत गति से तय हुआ और उसे आवश्यक सज़ा दी गई। हमारे देश में तो बरसों लग जाते हैं एक अपराधी को दंडित करने में। हमारे वर्तमान देश के मुख्य न्यायाधीष श्री चंद्रचूड़ इस संबंध में अनेक बार चिंता प्रकट कर चुके हैं। परंतु फिर भी स्थिति में कोई सुधार नहीं है।

सुरक्षा अकेली डॉक्टरों की नहीं पूरे समाज की आवश्यक है। यह कैसे संभव हो इस पर पूरे देश को विचार करना आवश्यक है। वैसे जहां तक डॉक्टरों की सुरक्षा का सवाल है आम लोगों में डॉक्टरों की प्रतिष्ठा में काफी कमी आई है। आम लोगों का चिंतन है कि डॉक्टर साधारणतः उनसे ज्यादा वसूली करते हैं। इस समय तो जो डॉक्टर अपने को प्रतिष्ठित समझते हैं उनमें से बहुसंख्यक ने अपनी कंसल्टेशन फीस 1000/- रूपए तक कर दी है। फिर कई किस्म की जाँचों को करवाना भी आवश्यक बता देते हैं। इनमें खून की जांच, एक्स-रे और भी अनेक किस्म की जांचे शामिल हैं।

स्वर्गीय बाबूलाल गौर एक किस्सा बताते थे। चुनाव में उनके विरोध में भोपाल के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर बिसारिया चुनाव लड़ रहे थे। वे मतदाताओं से संपर्क कर रहे थे। जब वे एक वरिष्ठ मतदाता के पास पहुंचे और उनसे वोट देने का अनुरोध किया तो उस मतदाता ने कहा कि मेरा वोट आपको उसी समय मिलेगा जब आप मुझे 200 रूपये देंगे। बिसारिया जी ने उस मतदाता से पूछा कि वोट देने के लिए पैसे की मांग तो मैं पहली बार सुन रहा हूँ। इस पर उस मतदाता ने कहा कि जब मैं आपके पास अपनी बीमारी का इजाल करवाने गया तो आपने पहले 200 रूपए रखवा लिये थे और सिर्फ मेरी नाड़ी देखकर मेरा इलाज बता दिया था। इस पर डॉक्टर बिसारिया को हंसी आना स्वभाविक था। परंतु यह एक उदाहरण है कि आम आदमी डॉक्टरों के बारे में क्या रवैया रखता है। आए दिन अखबारों में इस तरह के लेख छपते हैं कि जितने लोग डॉक्टरों के इलाज से ठीक होते हैं उतने ही लोग डॉक्टरों द्वारा गलत प्रिस्क्रिप्शन बताने से मरते हैं। फिर दवाईयों की कीमतों में अनापशनाप पैसा वसूल होता है। कुल मिलाकर आम आदमी के लिए इलाज उसकी पहुंच से बाहर हो गया है। यहां पर मैं दो अद्भुत उदाहरण देना चाहूंगा।

इंदौर में एक जाने-माने डॉक्टर थे। वे अपनी परामर्श फीस के रूप में सिर्फ 16 रूपए लेते थे। उनका ज्ञान भी अद्भुत था। भारी संख्या में लोग उनके पास इलाज के लिए जाते थे। एक मौका ऐसा आया जब इंदौर के अनेक डॉक्टरों ने उनसे अनुरोध किया कि वे अपनी परामर्श फीस बढ़ा दें परंतु वे अपनी फीस पर कायम रहे। इसी तरह इंदौर के कम्युनिस्ट नेता होमीदाजी थे उनकी बेटी थी रोशनी। वह मोस्को से मेडिकल शिक्षा लेकर आई थी। उसने अपना क्लीनिक इंदौर की एक गरीब बस्ती में खोला और परामर्श शुल्क के रूप में वह सिर्फ 5 रूपए लेती थी। दुर्भाग्य से कुछ दिनों में उसकी कैंसर की बीमारी से मृत्यु हो गई। कुल मिलाकर यदि डॉक्टर आम जनता का ख्याल रखें तो जनता ही उनकी रक्षा करेगी। भोपाल में आँख के एक बड़े डॉक्टर थे संतोष सिंह। उनका कोई रोगी निरोग होकर अपने गाँव जाना चाहता था तो वे उससे पूछते थे कि जाने के लिए तेरे पास किराया है? यदि वह कहता था कि नहीं तो प्रायः वे अपनी पॉकेट से उसको पैसे दे देते थे। दवाईयां तो वह प्रायः मुफ्त दिया करते थे। इन सारे तथ्यों के बावजूद डॉक्टरों को सुरक्षा की आवश्यकता है और शासन को उसे उपलब्ध करवाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ उपाय सुझाए हैं। आशा है कि इन पर अमल होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने टॉस्क फोर्स बनाई है जो डॉक्टरों को किस प्रकार की सुरक्षा दी जाए इसकी सिफारिश करे। इस समय जनप्रतिनिधियों चाहे सांसद हो, चाहे विधायक हो शासन के द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाती है, और भी महत्वपूर्ण व्यक्तियों को सुरक्षा दी जाती है। सुरक्षा में कभी-कभी एक दर्जन सुरक्षाकर्मी भी लगाए जाते हैं। कभी-कभी इनकी संख्या आवश्यकता से भी ज्यादा होती है। इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि क्या सभी सांसदों और विधायकों को इतनी सुरक्षा की आवश्यकता है? कुल मिलाकर सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है जिसपर अधोपांत विचार होना चाहिए।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय अधिवेशन में राजीव खंडेलवाल को बनाया आजीवन सदस्य

बैतूल। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के नागपुर में आयोजित अखिल भारतीय अधिवेशन में कैट के अध्यक्ष बी.एल. भरतिया, महासचिव एवं लोकसभा सांसद प्रवीण खंडेलवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी सहित पूरे देश से प्रतिनिधि शामिल हुए। इस कार्यक्रम में शामिल हुए प्रतिनिधियों ने नई व्यापार नीति एवं व्यापार में महिलाओं के योगदान पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल के द्वारा कर सलाहकार एवं पूर्व बैतूल सुधार न्यास अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल को आजीवन सदस्यता दी गई। महासचिव व सांसद श्री खंडेलवाल को इस अवसर पर राजीव खंडेलवाल द्वारा बैतूल आने का निमंत्रण भी दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेशचंद्र गुप्ता इन्दौर, गोविंद असाटी संगठन महामंत्री, भोपाल वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष ओ.पी बंसल, अग्रोहा धाम के कार्यकारी अध्यक्ष एवं लक्ष्मीपति कॉलेज भोपाल के चेयरमैन भी उपस्थित रहे।

गाजर घास जागरूकता सप्ताह मनाया गया

बैतूलबाजार। कृषि विज्ञान केन्द्र में स्वच्छ भारत गाजर घास जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की गई। 16 अगस्त से 22 अगस्त को कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये और गाजर घास उन्मूलन किया गया तत्पश्चात 20 अगस्त को मिलानपुर में छात्र, छात्रा ओंशिक्षक एवं ग्रामवासियों के साथ स्कूल के आसपास के प्रांगड़ गाजर घास निकाली गई। केन्द्र के प्रमुख डॉ. व्ही.के. वर्मा, ने कृषकों को समझाइश दी कि वर्षा ऋतु में गाजर घास को फूल आने से पहले जड़ से उखाड़ कर कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट बनाना चाहियें एवं कृषक अपने-अपने भवन के आस पास गेंदें के पौधे लगाकर गाजर घास के फैलाव व वृद्धि को रोका जा सकता है। दुधारू पषुओं का गाजर घास सेवन करने से दुग्ध में आवंछित महक आती है। उपरोक्त गति विधियों में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, डॉ. संजीव वर्मा ने गाजर घास से होने वाले नुकसान जैसे त्वचा संबंधी बीमारी, एलर्जी एवं दमा आदि बीमारियों के बारे में बताया एवं बचाव के रूप में रसायनिक विधि जैसे ग्लाय फोसेट 1.5-2.0 प्रतिशत फूल आने से पहले छिड़काव करें एवं मेक्सिन बीटल नामक कीट को वर्षा रितु में गाजर घास पर छोड़ ने हेतु कृषकों को प्रेरित किया। डॉ. एम.पी. इंगले द्वारा फसलों पर दुष्प्रभाव एवं नियंत्रण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्हे जागरूक बनाने का आह्वान किया। तत्पश्चात 21 अगस्त को ग्राम बैतूलबाजार में सामुदायिक भवन के आसपास के क्षेत्र को गाजर घास मुक्त किया। इस कार्यक्रम में ग्राम सरपंच एवं ग्रामवासी का सहयोग रहा। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय, पावरखेड़ा की की रावे की छात्राओं का सहभागिता रही।

मंदिर से दान पेटी और बैटरी चोरी करने वाला धराया

बैतूल। बीते लंबे अर्से से ग्रामीणों की आस्था से जुड़े मंदिरों में आरोपी चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। आखिरकार लगातार कोशिशों के बाद खेड़ी पुलिस चौकी स्टाफ ने एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मामला कोतवाली थाना बैतूल क्षेत्र का है। फरियादी धनराज पिता हृदयराम पाल उम्र 38 साल निवासी खेड़ी सांवलीगढ ने रिपोर्ट की थी कि वह माँ काली दरबार मोड़ीढाना समिति के अध्यक्ष हैं। दिनाँक 16 अगस्त 2024 को रात करीब 9 बजे वह ताप्ती घाट के मंदिर का ताला बंद कर वापस खेड़ी सांवलीगढ़ आ गये थे।

सुबह टूटा मिला ताला-सुबह करीब 8 बजे वापस मंदिर जाने पर देखा कि मंदिर का चौनल गेट किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा तोड़ कर मंदिर के अन्दर रखी दान पेटी, बैटरी व लाइट चोरी कर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली बैतूल में धारा 305, 331(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

पूछताछ पर कबूल किया अपराध-पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुये घटनास्थल के पास के गाँव कनारा के संदिग्ध गुज्जर उर्फ गजानंद पिता धन्नू सरयाम उम्र 35 साल से पूछताछ की। आरोपी गुज्जर ने मंदिर से दान पेटी स्टील की, एक्जीट कंपनी की बैटरी व बल्ब चोरी करना स्वीकार किया।

ग्रामीण को बेच दी थी बैटरी-बैटरी उसके गाँव में रहने वाले संजू उर्फ संजय पिता बुधराम कुंभारे उम्र 36 साल निवासी कनारा खेड़ी सांवलीगढ़ को बेच देना बताया। आरोपी गुज्जर उर्फ गजानंद के कब्जे से दान पेटी, बल्ब व संजू कुम्भारे के कब्जे से बैटरी जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

इनकी रही मुख्य भूमिका-उक्त कार्यवाही में खेड़ी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक इरफान कुरैशी, प्रधान आरक्षक दीपक, बिजेश रघुवंशी, आरक्षक रोहित, ओमकार, सैनिक महादेव की महत्तवपूर्ण भूमिका रही।

विवाद के चलते महिला की पिटाई की थी, सिर में गंभीर चोट से मौत, आरोपी को 10 साल की सजा

बैतूल। आमला के सेशन कोर्ट ने हत्या के एक मामले में आरोपी को 10 साल की कैद की सजा और जुर्माने से दंडित किया है। चार साल पहले उसने मामूली विवाद में महिला को लकड़ी से पीट दिया था। अदालत ने इसे सआशय हत्या नही माना है। अभियोजन के मुताबिक 19 जुलाई 2020 को रमली जा रहे मिद्धू और उसकी पत्नी हेमलता का आरोपी सत्यभान से विवाद हो गया था। बकरी के लिए पत्ती तोड़ने से शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। आरोपी ने चारपाई के पहिए से महिला पर वार कर किया, जिससे उसे सिर में गंभीर चोट आई। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

दुनावा होम्योपैथिक क्लीनिक एवं मेडिकल स्टोर पर छापे मार कार्रवाई

स्वास्थ्य, राजस्व एवं पुलिस की टीम ने की छापेमार कार्रवाई

बैतूल/मुलताई। ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी मुलताई पंचम सिंह, तहसीलदार एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने आज ग्राम दुनावा पहुंचकर होम्योपैथिक डॉक्टर सुदामा पवार एवं चारवी मेडिकल स्टोर पर छापेमार कार्रवाई की। छापेमार कार्रवाई के बाद संपूर्ण क्षेत्र के झोला छाप डॉक्टरों में हड़कम का माहौल है। छापेमार कार्रवाई के संबंध में ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी पंचम सिंह ने बताया कि इस मामले में मानव अधिकार आयोग से एक शिकायत की गई थी, जिसकी जांच हेतु ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में एक दल का गठन किया गया था, जिसमें तहसील गोवर्धन पाठे, पुलिस अधिकारी एसआई निरंजन खरे, बीसीएम प्रवीण नागले एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारी शामिल थे। अधिकारियों ने दुनावा के सुदामा पवार की होम्योपैथिक क्लीनिक में पहुंचकर दवाइयां की जांच की, इसके साथ ही मेडिकल स्टोर उसके पिछले के रूम में रखी गई दवाइयां की जांच कर स्टॉक रजिस्टर से मिलान किया। उपस्थित अधिकारियों के समक्ष ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी पंचम सिंह ने पंचनामा बनाया।

जांच के उपरांत स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर शिकायत के समस्त बिंदुओं की जांच की गई, किंतु क्लीनिक एवं मेडिकल स्टोर में किसी प्रकार की कोई आपत्तिजनक दवाई नहीं मिली। होम्योपैथिक डॉक्टर सुदामा पवार के क्लीनिक से होम्योपैथिक के अलावा कोई दूसरी दवाइयां प्राप्त नहीं हुई है। पीछे जो एलोपैथिक दवाइयां का स्टाक मिला है वह चारवी मेडिकल स्टोर का था, जिसका स्टॉक रजिस्टर से मिलान कर लिया गया है। होम्योपैथिक डॉक्टर सुदामा पवार ने बताया कि यह शिकायत घरेलू आपसी विवाद जोकि भूमि को लेकर चल रहा है, के चलते आपसी रंजिश रखकर की गई थी, जो कि निराधार शिकायत की है। दुनावा में छापेमार कार्रवाई की जानकारी लगते ही गुरुवार बाजार का दिन होने के बावजूद भी वंहा के कई निजी क्लीनिक पर ताले लगे देखे गए।

खनिज रेत एवं गिट्टी का अवैध परिवहन करते तीन डंपर और एक ट्रैक्टर ट्राली जप्त

बैतूल। जिले में अवैध उत्खनन के विरूद्ध चलाई जा रही मुहिम के तहत कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशों के अनुपालन में खनिज विभाग ने खनिज रेत एवं गिट्टी का अवैध परिवहन करते तीन डम्परों तथा एक ट्रैक्टर ट्राली के विरुद्ध जब्ती की कार्रवाई की गई है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अवैध उत्खनन के विरूद्ध चलाई जा रही मुहिम में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। उप संचालक खनिज मनीष पालेवार ने बताया कि सहायक खनि अधिकारी श्री बीके नागवंशी एवं खनिज अमले द्वारा ग्राम जामठी तहसील आठनेर में डम्पर क्रमांक एमपी 38 जी 1334 में गिट्टी एवं आठनेर रोड बडोरा पर डम्पर क्रमांक एमपी 48 एच 0767 द्वारा गिट्टी का अवैध परिवहन किए जाने पर जप्त करने की कार्यवाही की गई। जप्त वाहनों को पुलिस अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है।

ग्राम बांसपुर एवं चिखली आमढाना

इसी तरह अन्य दल में खनि निरीक्षक श्री वीके वशिष्ट एवं खनिज अमले द्वारा ग्राम बांसपुर में डंपर क्रमांक एमपी 04 एचई 2238 में गिट्टी एवं ग्राम चिखली आमढाना तहसील घोड़ाडोंगरी में बिना नंबर की ट्रैक्टर ट्राली से खनिज रेत का अवैध परिवहन किए जाने पर जब्त करने की कार्यवाही की गई। जब्त वाहनों को पुलिस अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है। उप संचालक श्री पालेवार ने बताया कि जप्त चार वाहनों पर मध्य प्रदेश (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण) नियम 2022 के प्रावधानों के अन्तर्गत अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

बच्चे के स्कूल बैग में छिपी बैठी थी मौत, इसी बीच..

बैतूल। मुख्यालय के समीप स्थित जामठी गांव में एक ग्रामीण के घर में करीब 5 फीट लंबा, बेहद जहरीला कोबरा सांप बच्चे के स्कूल बैग में छिपा बैठा था। वह तो शुक्र था कि उस बीच बच्चे ने बैग को हाथ नहीं लगाया। इस कोबरा सांप के रेस्क्यू किया गया तब लोग यह सोचकर ही सिहर उठ रहे हैं कि गलती से भी यदि उस समय बच्चा अनजाने में बैग खोल लेता तो क्या होता। ालांकि शुक्र था कि उस कोबरा की मौजूदगी पहले ही पता चल गई और उसका रेस्क्यू कर लिया गया।

लकड़ी दिखाई तो फुफकार दिया

बताया जाता है कि जामठी निवासी फूलचंद बारस्कर को गुरूवार अपने घर में एक कोबरा सांप नजर आया। पहले उन्होंने उसे भगाने के लिए लकड़ी दिखाई तो वह उन्हीं पर फुफकारने लगा। उसके आक्रामक तेवर देख उन्होंने घर से बाहर निकलना ही उचित समझा।

उन्होंने घर से निकल कर तत्काल ही सर्पमित्र विशाल विश्वकर्मा को काल किया। सूचना मिलते ही विशाल विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे और कमरे में सांप की तलाश शुरू की। उस समय तक सांप कमरे में टेबल पर रखे स्कूल बैग के भीतर जाकर बैठ गया था। इधर विशाल ने कमरे में सभी जगह तलाश की और नहीं मिलने पर बैग टटोला। आखिरकार वह वहां मिल गया। वहां उसे बैग से निकालना संभव नहीं था। लिहाजा, वे बैग सहित उसे उठाकर बाहर ले आए। यहां निकालने की कोशिश करने पर वह लगातार फुफकारता रहा। इतना ही नहीं बैग के भीतर से ही वह फन फैलाकर दो बार डंसने की कोशिश भी कर चुका था। किसी तरह उसे बैग से बाहर निकाला गया। उसके बाद भी लगातार डंसने की कोशिश में अपना फन मारते रहा। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह कितना आक्रामक था। हालांकि सर्पमित्र ने उसे काबू में कर लिया।कोबरा के रेस्क्यू के बाद विशाल ने जानकारी दी कि यह कोबरा है जिसे नागराजा भी कहा जाता है। इसके डंसने के बाद 45 मिनट में चिकित्सीय इलाज नहीं हुआ तो जान जाना तय है। इसलिए सांप के डंसने पर झाड़-फूंक में समय न गंवाएं बल्कि तुरंत इलाज कराएं। झाड़-फूंक में केवल वे लोग बचते हैं जिन्हें जहरीले सांप ने नहीं डंसा हो।

खेत में कीटनाशक का छिड़काव करते समय युवक की बिगड़ी हालत, मौत

बैतूल। खेत में कीटनाशक का छिड़काव कर रहे एक युवक की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। चक्कर आने पर उसे जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था, जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। संभावना जताई जा रही है कि युवक की मौत सांसों में कीटनाशक जाने से हुई है हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। युवक मुकेश उइके (25) निवासी ग्राम जामुन बिछुआ तहसील आमला का रहने वाला था। युवक सोमवार शाम खेत में कीटनाशक का छिड़काव कर रहा था। इसी दौरान युवक को चक्कर आने लगे और घबराहट होने लगी तो युवक घर पहुंचा और उसने फोन से इसकी जानकारी अपने दोस्त को दी। जिसके बाद उसके दोस्त ने उसे गंभीर हालत में पहले आमला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया और इसकी जानकारी उसके परिजनों को दी। आमला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में युवक का प्राथमिक उपचार के बाद 108 एंबुलेंस की सहायता से उसे बैतूल जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था। जिसकी आज जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

जेब कटने के दो माह बाद पुलिस ने लिखी एफआईआर

बैतूल। पुलिस अजब है गजब है, इसलिए नहीं कहा जाता। पुलिस के अजब-गजब कारनामे का एक और बेहतरीन उदाहरण देखने को मिला है, जब 14 जून को स्थानीय सांसद दुर्गादास उइके केंद्रीय राज्यमंत्री बनने के बाद पहली बार बैतूल आए थे, उनके स्वागत जुलूस में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष शारिक खान की जेब से 8500 रुपए जेब कतरों ने साफ कर दिए। उन्होंने कोतवाली पुलिस में इसी दिन शिकायत देकर संबंधित व्यक्ति का हुलिया और फोटो भी उपलब्ध कराए, लेकिन दो माह चप्पले घिसने के बाद भाजपा नेता की शिकायत पर एफआईआर नहीं लिखी। भाजपा नेता की नाराजगी और बार-बार थाने जाने के बाद पुलिस को अपनी गलती का एहसास हुआ और मंगलवार को शाम मामले में अज्ञात चोर के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया।

भाजपा नेता शारिक खान की माने तो 14 जून को केंद्रीय राज्यमंत्री डीडी उइके मंत्री बनने के बाद पहली बार बैतूल आए थे। वे भी कारगिल चौक पर अपने साथियों के साथ मंत्री उइके का स्वागत करने पहुंचे थे। इस स्वागत रैली में शाम 6 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके कुर्ते के जेब में रखे पर्स पर हाथ साफ कर दिया था। उन्होंने बताया कि वे मेडिकल व्यवसायी होने के कारण यह भुगतान किसी को देना था, लेकिन जेब कटने से यह राशि दे नहीं पाया। उन्होंने बताया कि रैली के दौरान अन्य लोगों के भी जेब कतरों ने जेब काटे थे। इसकी भी शिकायत हुई, लेकिन कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की।

70 दिन बाद दर्ज हुई एफआईआर-भाजपा नेता शारिक खान ने बताया कि वे कोतवाली पुलिस एफआईआर दर्ज कराने कई बार गए, लेकिन हमेशा कई बहाने बताकर पुलिस ने एफआईआर नहीं की, जबकि जेब कतरे का हुलिया और वीडियो-फुटेज-फोटो भी उपलब्ध करा दी गई थी। उन्होंने बताया कि इसी जेब कतरे ने भी मुलताई में केंद्रीय मंत्री की सभा में लोगों की जेब काटी थी। सारे सबूत देने के बाद भी पुलिस ने एफआईआर नहीं की। आखिर 70 दिन बाद मंगलवार शाम को पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 379 का मामला दर्ज किया है। भाजपा नेता ने पुलिस व्यवस्था पर कई सवाल उठाए हैं।

वृद्धाश्रम में कानूनी साक्षरता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

6 बुजुर्गों को कृत्रिम उपकरण के लिए किया चिन्हित

बैतूल। अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण के निर्देशों के अनुक्रम में 21 अगस्त को मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मातोश्री वृद्धाश्रम उड़दन जामठी में कानूनी साक्षरता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में जिला चिकित्सालय से डॉ. रोहित पराते (मेडिकल विशेषज्ञ), डॉ. वरुण उपाध्याय (नेत्र रोग विशेषज्ञ), डॉ. स्वीटी सेन (ईएनटी.) एवं डॉ. केदार सिंह (बीएमओ.), डॉ.सुनील लोधी तथा विद्वेश्वरी हजारे (सीएचओ) एवं पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा 19 वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में सामाजिक न्याय विभाग की टीम द्वारा 6 वृद्धजनों को कृत्रिम उपकरण जैसे वाकर, कान की मशीन, वाकिंग स्टिक के वितरण के लिए चिन्हित किया गया।

भरण पोषण अधिनियम की दी जानकारी-विशेष न्यायाधीश दिव्यांगना जोशी पांडे द्वारा वृद्धा आश्रम द्वारा वृद्धजनों को प्रदत्त सुविधाएं, कक्ष आदि का निरीक्षण कर अन्य जानकारी ली और वृद्धजनों से चर्चा कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। आयोग की सचिव डॉ.कु.महजबीन खान द्वारा माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण अधिनियम 2007 के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यदि कोई वृद्ध स्वयं की संपत्ति अथवा अन्य कोई पारिवारिक समस्या के संबंध में कोई भी वृद्धजन भरण पोषण अधिनियम 2007 अंतर्गत संबंधित एसडीएम को आवेदन दे सकता है।

आवश्यकता पड़ने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय अथवा पैरालीगल वालेंटियर द्वारा उन्हें कार्यवाही में सहयोग हेतु आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी सोमनाथ राय, वृद्धा आश्रम संचालक मनोज विष्ट, सामाजिक न्याय विभाग बैतूल से उपसंचालक रोशनी वर्मा तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक कदम देश की ओर संस्था ने किया ढाई सौ फलदार पौधों का वितरण

पौधारोपण से पर्यावरण संरक्षण की ओर मांडवी के युवाओं का अनोखा प्रयास

पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके संरक्षण का लिया संकल्प

बैतूल। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने समर्पण का परिचय देते हुए मांडवी के युवाओं ने ग्राम बोरपानी और अक्कलवाड़ी में ढाई सौ फलदार पौधों का वितरण किया। यह पहल 'एक कदम देश की ओर' नामक संस्था के तहत की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को संरक्षित कर युवाओं को समाज और देश के प्रति जागरूक बनाना है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक मधु चौहान ने कहा कि यह कार्य पर्यावरण को संरक्षित करने के साथ युवाओं को देश के लिए कुछ सार्थक करने की प्रेरणा भी देगा।

भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष गोवर्धन राने ने बताया कि बिना किसी स्वार्थ और लालसा के, यह संस्था पिछले सात वर्षों से लगातार किसानों को फलदार पौधों का वितरण कर रही है। ये सभी पौधे संस्था के सदस्य स्वयं के खर्चे से वितरित कर उनका संरक्षण भी सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा कि संस्था के ये सदस्य, जो बड़े शहरों में नौकरी करते हैं, हर साल राखी के समय अपने गांव आकर अपने पैसों से पौधों का वितरण करते हैं। उनके इस प्रयास का परिणाम है कि 2017-18 में वितरित किए गए पौधे अब फल देने लगे हैं। कार्यक्रम की जानकारी देते संस्था के पदाधिकारी चिंटू नरवरे ने बताया कि इस बार उन्होंने बोरपानी और अक्कलवाड़ी के किसानों को ढाई सौ ड्राफ्टिंग वाले फलदार आम, अमरूद, चीकू, जामुन इत्यादि पौधों का वितरण किया। अब तक यह संस्था लगभग दो हजार से अधिक पौधों का अपने क्षेत्र में वितरण करवा चुकी है और उनके संरक्षण के लिए भी निरंतर प्रयासरत है।इस मौके पर जनपद सदस्य राजू सलाम, भोपाल से शिव हरोड़े, अभिनंदन अनघोरे, केसी बोरवन, राजेश खाकरे, दुलीचंद हारोडे, आशुतोष सिंह चौहान, संस्था के पदाधिकारी पंकज मोहने, गौतम बोरवन, देवेंद्र लोहारे, पोशक बरपेटे, रोशन बारपेटे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके संरक्षण के संकल्प के साथ किया गया।

Name change

Sunil kumar Dwivedi S/0 Shri Ramashray Dwivedi Resident of - 324 Dwivedi Bhawan, Chandrashekhar w and no. 15.changed my name to Sunil Dwivedi

Name change

Tarung Dwived w/o shri Sunil kumar Dwivedi Resident of 324, Dwivedi Bhawan Chandrashekar ward no.15 changed my name to. Taruna Dwivedi w/o Shri Sunil Dwivedi

पंडित कुमार गंधर्व समारोह एवं अलंकरण 24-25 अगस्त को देवास में

नई दिल्ली की विदुषी गायिका सुधा रघुरामन होंगी राष्ट्रीय कुमार गंधर्व सम्मान से सम्मानित

देवास। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के लिए उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, भोपाल द्वारा जिला प्रशासन एवं नगर पालिक निगम, देवास के सहयोग से विख्यात संगीत मनीषी पण्डित कुमार गंधर्व की स्मृति में 24-25 अगस्त को पण्डित कुमार गंधर्व समारोह का आयोजन मल्हार स्मृति मंदिर, देवास में प्रतिदिन शाम 7:00 बजे से किया जा रहा है। इसी अवसर पर प्रसिद्ध गायिका विदुषी सुधा रघुरामन, नई दिल्ली को राष्ट्रीय कुमार गंधर्व सम्मान से विभूषित किया जायेगा।

समारोह में देश के विख्यात कलाकार शिरकत कर रहे हैं।कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने शहर एवं जिले के कला रसिक प्रेमियों एवं संगीत प्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क है। दिनांक 24 अगस्त को सभा की शुरूआत राष्ट्रीय कुमार गंधर्व सम्मान से अलंकृत विदुषी सुधारघुरामन, नई दिल्ली के गायन से होगी। इसके पश्चात श्री तेजस एवं सुश्री मिताली विंचूरकर, मुम्बई के बाँसुरी एवं तबला की जुगलबंदी होगी। दिनांक 25 अगस्त को सभा की शुरूआत पुणे के श्री शान्तनु गोखले के संतूर वादन से होगी। दूसरी प्रस्तुति सुश्री शुभदा पराड़कर, मुम्बई के गायन की तथा सभा का समापन श्री नीलाद्रि कुमार, मुम्बई के सितार वादन से होगा। दोनों दिनों की संगीत सभाओं में सहयोगी कलाकार के रूप में तबले पर सर्वश्री पवन सेम, हितेन्द्र दीक्षित, मनोज पाटीदार, यशवन्त वैष्णव, मृदंगम पर एम.वी.चंदर शेकर, बाँसुरी पर जी. रघुरामन तथा हारमोनियम पर दीपक खसरावल एवं उपकार गोड़बोले संगत करेंगे।

डिस्ट्रिक्ट बेसबॉल एसोसिएशन का हुआ गठन

अमेरीकन गेम में जिले के खिलाड़ियों को मिलेगा अवसर

बैतूल। मध्य प्रदेश एम्यूचर बेसबॉल फेडरेशन के निर्देशन में आदिवासी बाहुल्य बैतूल जिले में छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को अमेरीकन खेल बैसबॉल में राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओ मे जिले के खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा। जिसके लिए बैतूल डिस्ट्रिक्ट बैसबॉल एशोसियेशन (बीडीबीए) का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष संरक्षक तपन खण्डेलवाल, अध्यक्ष योगी खण्डेलवाल, उपाध्यक्ष अभिषेक किलेदार, सचिव कैलाश वराठे (खेल प्रशिक्षक), सह सचिव चेतन शिरके, कोषाध्यक्ष आदित्य अहुजा कार्यकारिणी सदस्य को नियुक्त किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष योगी खंडेलवाल ने बताया की बेसबॉल का डेमो (प्रदर्शन) 25 अगस्त को किया जाएगा। जिसमे जिले के समस्त खिलाड़ियों को अवसर प्रदान किया जाएगा। अंडर 12, अंडर 14 अंडर 17, अंडर 9 के खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन कर प्रशिमको एनआईएस प्रशिक्षकों द्वारा बीडीबीएक ी ओर से निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में का प्रतिनिधित्व किया जाएगा। बीपीबीए के सचिव कुमाश वरोठ (खेल प्रशिक्षक) मे बताया की बैसबाल में जिले के खिलाडिया के लिए अपार संभावनाएं है। क्योंकि जिलें की आदिवासी (जनजातीय कार्य विभाग की लगभग 32 छात्राओं ने शालेय राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व कर जिले को गौरवांवित किया साथ ही जूनियर वर्ग में सत्र 23-24 मे रजत पदक प्राप्त कर अपनी खेल प्रतिभा को प्रमाणित किया है। दीर्घ अवधि खेम कार्य योजना तैयार कर बैसबॉल लिण् जिले से खिलाडियों का चयन जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिये तैयार किया जाएगा।

युवती से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बैतूल। 19 वर्षीय को पीड़िता द्वारा थाना बीजादेही

में रिपोर्ट किया की 19 अगस्त की शाम करीब 4-5 बजे उसकी सहेली के साथ फोफल्या बाजार जा रही थी। तभी रास्ते में ग्राम सांगवानी निवासी राजकुमार उर्फ कोलिया सुहाने द्वारा अन्य दो साथियों के साथ मोटर साइकिल से आकर रास्ता रोक दिया तथा पीड़िता का बुरी नियत से हाथ पकड़ कर छेड़छाड़ तथा खींच तान किया। पीड़िता द्वारा चिल्लाने पर पीड़िता के साथ मारपीट किया। उक्त रिपोर्ट पर थाना बीजादेही में अपराध विवेचना में लिया गया था। 22 अगस्त को आरोपी राजकुमार सुहाने उर्फ कोलिया पिता राजु सुहाने उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम सांगवानी थाना बीजादेही को अन्य दो नाबालिग साथियों को हिरासत में लिया जाकर आरोपी राजकुमार को गिरफ्तार किया गया हैं। घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को जप्त किया गया हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपी राजकुमार उर्फ कोलिया को न्यायालय के समक्ष पुलिस रिमाण्ड पर पेश किया जाएगा। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उनि रवि शाक्य तथा आरक्षक मनीराम उइके की मुख्य भूमिका रही।

बच्चों के संस्कार में आना चाहिए कि जल अमृत है, इसे व्यर्थ न बहायें : मंत्री श्री विजयवर्गीय

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री विजयवर्गीय अमृत संचय अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल

देवास। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय मल्हार स्मृति मंदिर देवास में ''अमृत संचय अभियान'' के तहत आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि एक समय था जब देवास में पानी की बहुत समस्या थी। पानी का संकट देवास की जनता ने देखा है। देवास में जन भागीदारी से पानी बचाने के लिए सभी को बधाई।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि जन भागीदारी के किये जा रहे कार्य सफल हो रहे है। देवास में अच्छा कार्य हुआ है। किसी भी कार्य को सफल होने के लिए जनभागीदारी होना आवश्यक है। जन भागीदारी से स्वच्छता में इंदौर लगातार प्रथम आ रहा है, स्वच्छता इंदौर के बच्चों के संस्कार आ गया है। देवास के सभी बच्चों के संस्कार में आना चाहिए कि जल अमृत है, इसे व्यर्थ न बहाये, ऐसा करने से देवास देश को मार्गदर्शन करने वाला शहर बन जाएगा।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि जल के संचय के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाये। इंदौर में 51 लाख पेड़ जन भागीदारी से लगाए हैं। पेड़ जड़ों के माध्यम से पानी जमीन में पहुंचना है। एक पीपल का पेड़ 10 हजार से 01 लाख लीटर पानी जमीन में पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि नर्मदा के किनारे नगरी निकायों में एसटीपी लगाने का कार्य किया जाएगा। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री विजयवर्गीय ने एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत मल्हार स्मृति मंदिर में पौधारोपण भी किया।

राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री विज्ञान भारती श्री प्रवीण रामदास ने कहा कि भूमिगत जल प्रदूषित होने से बीमारियां हो रही है। देवास में जन भागीदारी से चलाया जा रहा अमृत संचय अभियान एक उदाहरण है। मालवा की जनता यह नहीं सोचती की सरकार करेगी जब ही हम करेंगे। जन भागीदारी से किस प्रकार कार्य किया जाता है, देवास की जनता उदाहरण पेश किया है।

विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार ने कहा कि देवास की जनता सकारात्मक विचार रखती है। देवास में पानी के संकट को झेला है। देवास में एक समय था जब दूर-दूर से पानी लाना पड़ता था। देवास में इंदौर से नर्मदा मैया का पानी लाना पड़ता था। क्षिप्रा पर डेम बनाया गया है अब बिना मोटर के घरों में तीसरी मंजिल पर पानी चढ़ रहा है। हमें फिर उसे संकट को नहीं झेलना है। हमें अमृत संचय करना है, अगले साल तक हमें 01 हजार करोड़ लीटर वर्षा का जल बचाना है। देवास में घर-घर जाकर नागरिकों को जागरूक किया गया और आज हम इस लक्ष्य तक पहुंचे हैं। हमें संकल्प लेना होगा कि पानी व्यर्थ नहीं बहायेंगे और बारिश के जल को बचाएंगे।

कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने कहा कि हर्ष का विषय है कि 100 दिन पहले अमृत संचय अभियान शुरू हुआ। अभियान की शुरूवात में हमने सोचा भी नहीं था कि हम 100 करोड़ लीटर पानी बचाया सकते हैं, पर आज हम 225 करोड़ लीटर पानी बचाने के लक्ष्य तक पहुंचे हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि मालवा की जनता इतनी अच्छी है कि एक कदम बढ़ाते हैं तो यहां की जनता 10 कदम आगे बढ़ाती है। हमारा लक्ष्य हर वर्ष 1 हजार करोड़ लीटर वर्षा का जल संचय करने का है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जिले में बोरी बंधान का कार्य किया जा रहा है। उसके लिए 1 हजार स्थानों का चिन्हांकन किया गया है। देवास जिले में मियांवाकी पद्धति से प्लांटेशन किया जा रहा है। क्षिप्रा नदी से आसपास लगने वाले 104 ग्रामों में सोकपीट बनाये जा रहे हैं। क्षिप्रा नदी के आसपास से अतिक्रमण हटाकर पौधारोपण कार्य किया जा रहा है। जिले में मत्स्य पालन को प्रमोट किया जा रहा है। तालाबों में मत्स्य पालन के लिए यूजर ग्रुप बनाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में अमृत संचय का संकल्प दिलाया गया। अमृत संचय अभियान में सहभागी बनने वाले संगठनों और नागरिकों को सम्मानित किया गया। विज्ञान भारती फोल्डर का विमोचन किया गया।

कार्यक्रम में श्री सुनील चतुर्वेदी ने अमृत संचय अभियान से संबंधित विस्?तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देवास में आज 225 करोड़ लीटर वर्षा का जल सहजने का लक्ष्य हासिल किया है। हमने 100 दिन में यह उपलब्धि हासिल की है। हमारा लक्ष्य 1 हजार करोड़ लीटर पानी बचाने का है। देवास में जन आंदोलन के रूप में अभियान चलाया गया है।

कार्यक्रम में शाजापुर विधायक श्री अरूण भीमावत, महापौर श्रीमती गीता अग्रवाल, सभापति नगर निगम श्री रवि जैन, श्री राजीव खंडेलवाल, श्री दुर्गेश अग्रवाल, श्री सुमेर सिंह दरबार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, सीईओ जिला पंचायत श्री हिमांशु प्रजापति, एडीएम श्री प्रवीण फुलपगारे, एएसपी श्री जयवीर सिंह भदौरिया, नगर निगम आयुक्त श्री रजनीश कसेरा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रियंका मिमरोट, एसडीएम श्री बिहारी सिंह सहित अमृत संचय टीम एवं देवास के गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे।

जनता यूनियन द्वारा नवागत कार्य पालन अभियंता का स्वागत

नरसिंहपुर। मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन द्वारा नवागत

कार्य पालन अभियंता नरसिंहपुर विवेक जसेले का नरसिंहपुर (सं,सं,) संभागीय कार्यालय में पदस्थापना होने पर स्वागत किया गया। पश्चात जनता यूनियन पदाधिकारियों का परिचय किया गया।आगे भविष्य में विधुत कर्मचारी समस्याओं को निराकरण करने, सौहार्द्रपूर्ण माहौल में कार्यपालन अभियंता द्वारा अच्छे सहयोग का भरोसा दिलाया । ओपी सोनी द्वारा अधिकारी का धन्यवाद ज्ञापित किया , जनता यूनियन की ओर से महेंद्र सिंह चौहान, गोविंद सोनी, रमेश श्रीवास्तव, कैलाश पुरोहित, शोभाराम चौधरी उपस्थित रहे।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में आईसीएसएसआर 10 दिवसीय रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स वर्कशॉप का हुआ शुभारंभ

शोध व्यवहारिक तथा समाजोपयोगी हो : संतोष चौबे

भारतीय ज्ञान परम्पराओं और मान्यताओं को स्थापित करने में शोध एवं अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका रही : नरेन्द्र शिवाजी पटेल

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में प्रबंधन तथा मानविकी एवं उदार कला संकाय के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित 10 दिवसीय रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स वर्कशॉप का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि माननीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, विशिष्ट अतिथि पं. सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी, प्राचार्य सरोजिनी नायडू गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज भोपाल उपस्थित थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे जी ने की। कार्यक्रम में प्रो-चांसलर डॉ अदिती चतुर्वेदी वत्स, आईटीडीपीआर के कार्यकारी निदेशक प्रो अमिताभ सक्सेना, प्रतिकुलपति डॉ संगीता जौहरी, डीन एकेडमिक डॉ संजीव गुप्ता, डॉ रचना चतुर्वेदी, डॉ नेहा माथुर और डॉ सावित्री परिहार विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तदोपरांत डॉ. संगीत जौहरी

द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया।

इस अवसर पर श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्पराओं और मान्यताओं को स्थापित करने में शोध एवं अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका रही। हर विधा-हर क्षेत्र में भारतीय ज्ञान परम्परा के युगानुकुल एवं वर्तमान वैश्विक आवश्यकतानुरूप, पुनः शोध एवं अनुसंधान कर दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता है। शिक्षा में भारतीयता के भाव के समावेश और समाज में श्रेष्ठ नागरिक निर्माण के लिए भारतीय ज्ञान परम्परा को शिक्षा में समाहित करने के लिये कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों का आयोजन प्रासंगिक, महत्वपूर्ण और अत्यंत उपयोगी है।

वहीं श्री संतोष चौबे जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति मौलिक शोध तथा अंतर-विषय शोध तथा शिक्षा को बढ़ावा देती है। शोधार्थी को इस बात का ख्याल रखना चाहिए की शोध व्यवहारिक तथा समाजोपयोगी हो जिससे समाज तथा राष्ट्र सीधे तौर पर लाभान्वित हो सके। शोध यथार्थ हो तथा यह क्रमबद्ध होने के साथ ही तथ्य तथा सत्य को पोषित करे। वर्तमान में मार्केट सोसाइटी को ह्यूमन सोसाइटी में बदलने की आवश्यकता है, हमारे सामाजिक संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता है।

इस मौके पर पं. सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी जी ने अपने संबोधन में कहा कि भीतर के शोर को सुर में बदलना ही शोध है। आंतरिक जिज्ञासा शोध की मूल शर्त है इसे दबाएं नहीं बल्कि इसे पुष्पित और पल्लवित करें। वहीं प्रो अमिताभ सक्सेना ने कहा कि हिंदी में शोध की अनेक संभावनाएं हैं। शोध के लिए अंग्रेजी की तरफ भागने की आवश्यकता नहीं है। आज हिंदी में और भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री का विपुल भंडार है। शोध उन विषयों पर करें जो आम जन के जीवन में बेहतरी लाए, साथ ही जो सत्य को उद्घाटित करे।

इस कार्यशाला में देश भर के कुल 30 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रतिभागी शोधार्थी देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए हुए हैं। शोधार्थियों की विविधता के साथ ही इस 10 दिवसीय कार्यशाला में शोध के विभिन्न आयामों पर प्रस्तुतिकरण दिया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में डॉ अदिती चतुर्वेदी वत्स ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। उद्घाटन सत्र में प्रतिकुलपति डॉ संगीता जौहरी द्वारा मंच का संचालन किया गया।

शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी के वर्धापन दिवस पर की उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना

नरसिंहपुर। श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में द्वारकाशारदा पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती जी महाराज का 66 वें वर्धापन दिवस मनाया गया।इस अवसर पर उपस्थितजनों ने महाराजश्री के चित्र पर माल्यार्पण व गुलाब की पंखुड़ियां अर्पित कर उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए कामना की। वक्ताओं ने महाराजश्री द्वारा किए जा रहे धर्महित, समाजहित के कार्यों का उल्लेख भी किया।

मंत्रोच्चार और स्वास्तिवाचन आचार्य कृष्णकांत उदेनिया व पं विनोद मिश्रा ने किया। संचालन एसके चर्तुवेदी ने व आभार व्यक्त

कार्यक्रम के संयोजक सुशांत पुरोहित ने किया।

उपस्थित भक्तों ने किया पूजन

इस अवसर पर संजय जैन, भगवानदास राय, नीलकमल जैन, अनंत पांडे, संजय शर्मा, सौरभ रिछारिया, श्रवण व जय मिश्रा, रितेश तिवारी, धर्मेंद्र ढिमोले, संजय मिश्रा नितिन सेन, प्रशांत दुबे, आयुष राय, उमेश पटेल, सतीश कुमार साहू, पप्पू पटेल, जय सैनी, राजेश व हर्षित विश्वकर्मा, राजकुमार प्रजापति ने भी महाराज श्री का पूजन तथा पुष्प अर्चन किया। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने जनसुनवाई कर किया आमजन की समस्याओं का समाधान

नरसिंहपुर। पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने जनसुनवाई आयोजित कर लोगों की समस्याओं का निराकरण किया। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आमजन पहुंचे, जहां

विभिन्न समस्याओं को लेकर लोगों ने अपनी गुहार लगाई श्री पटेल ने हर एक फरियादी की बात ध्यानपूर्वक सुनी और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए कई लोग अपने गांव की सड़क आदि अन्य समस्याएं लेकर पहुंचे थे जिनका समाधान सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया। वहीं, कुछ लोग व्यक्तिगत समस्याओं को लेकर आए जिनमें भूमि विवाद, पेंशन, आवास योजनाओं के लाभ आदि की मांगें शामिल थीं श्री पटेल ने संबंधित अधिकारियों से तुरंत संपर्क कर इन समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। जनसुनवाई में उनके संवेदनशील रवैये और त्वरित कार्यवाही ने लोगों का विश्वास और भी मजबूत किया स्थानीय निवासियों ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि पटेल हमेशा जनता के हित में काम करते हैं और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करते हैं उक्त जानकारी विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने दी।

नगर में उड़ रही है अब धूल, पैदल चलना हो गया दूभर..

नर्मदापुरम।आप भाग्यशाली हैं जो एक वोट के बदले पूरे शहर में धूल का आंनद ले रहें हैं। कांग्रेस पार्टी के तत्कालीन ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर गत दो दिन से काफी ट्रोल कर रही। इस विषय पर कमेंट करने वालों की बेबाकी वर्तमान परिषद और मुख्य नगरपालिका अधिकारी की भूमिका सहित प्रशासनिक जिम्मेदारों को आईना दिखाती। दो दिन पहले जबकि नगरपालिका अध्यक्ष के प्रति दिए गए अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा से बाजार को गर्म रहना था। इससे समझा जा सकता है कि नगर और नगर के जिम्मेदारों की नगरीय व्यवस्था को लेकर कितनी रुचि और अरुचि है नगरवासियों के प्रति उजागर हो रही। शिव चौबे जब गौ-संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष थे उन्होंने नगरपालिका को धूल साफ करने वाली लाखों की दो डस्ट क्लीनर उपहार में दी थी। नगरपालिका ने जिसका उपयोग नगर में केवल एक बार किया इसके बाद शायद ही किसी नागरिक ने ये डस्ट क्लीनर सड़क पर चलते देखी। उन डस्ट क्लीनर को सुधरवाने में नगरपालिका के जिम्मेदारों ने पौने आठ लाख रुपए खर्च कर दिए, मशीनें कहा है नहीं पता इन मशीन के इंजिन चोरी हो गए लेकिन मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले ने इसकी एफआईआर दर्ज कराना उचित नहीं समझा क्यों..? उन्हें राजनेताओं की चिरौरी करने के लिए शासन ने यहां नहीं भेजा होगा.? जो की जा रही है इधर जबकि सड़क पर उड़ रही धूल से नागरिक सर्दी खासी से जूझ रहे ... आने जाने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा। अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए लालायित विधायक सहित उनके चहेते पार्षदों ने इस मामले में कोई बात नहीं उठाई जबकि जागरूकता दिखाते हुए एडवोकेट रोहन जैन सोशल मीडिया वाल पर इसका जिक्र प्रशासन को संज्ञान देते हुए समाधान की गुहार लगाई थी और आज धर्मेंद्र तिवारी ने यह मुद्दा उठाया। ऐसे में एक सवाल जेहन में कौंधता है कि तत्कालीन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने सिटी मजिस्ट्रेट की पोस्ट यहां क्रिएट क्यों की थी.? सिटी मजिस्ट्रेट से नगर की हालत संभल नहीं रही फिर इस पद का औचित्य क्या .? वैसे पूरा नगर को राजनीतिक अखाड़ा देखकर प्रशासनिक अधिकारियों ने नगर को नगर के हवाले छोड़ दिया फिर विधायक के लिए वोट मांगने वाले पार्टी संगठन को भी नगरवासियों की तकलीफ़ दिखाई नहीं देती। पवित्र नगरी की मांग करने वाले, मांस बिक्री बंद हो आन्दोलन करने वाले, धार्मिक नगरी में शराब बंद हो को लेकर गला फाड़ डिबेट करने वाले आन्दोलन कारी आखिर कहां है।

जिसकी पुलिस कस्टडी में मौत, उसके भाई ने की खुदकुशी

सवा महीने बाद घर में फांसी लगाई, परिजन बोले- देवा के बाद से सदमे में था

गुना (नप्र)। गुना में जिस देवा पारदी की पुलिस कस्टडी में मौत हुई थी, उसके छोटे भाई ने सवा महीने बाद खुदकुशी कर ली। बुधवार शाम उसका शव घर में फंदे पर लटका मिला है। गुरुवार को पोस्टमार्ट्म के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया। परिजन का कहना है कि भाई के मौत के बाद से सिंदबाज पारदी सदमे में था। छोटी कनारी की रहने वाली कपूरी बाई ने बताया, 'बुधवार शाम सभी ने घर पर खाना खाया। इसके बाद देवा पारदी का छोटा भाई सिंदबाज पारदी (25) पुत्र राधेश्याम पारदी मकान के ऊपर वाले कमरे में चला गया। 10-15 मिनट बाद बच्चे उधर गए। देखा, तो सिंदबाज फंदे पर लटका था। बच्चों ने चीखते हुए

परिवारवालों को सूचना दी। फंदे से उतारकर परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गुरुवार दोपहर परिवार वाले शव लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। राघौगढ़ एसडीओपी दीपा डुडवे ने बताया, परिजन शव जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। थाने में सूचना नहीं दी। जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्ट्म कर परिवारवालों को सौंप दिया गया है। गुना में ही मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है।

परिजन बोले-

भाई की मौत के बाद गुमसुम हो गया- कपूरी बाई ने बताया, 'देवा की मौत के बाद वह गुमसुम हो गया था। भोपाल से वापस आने के बाद वह पूछ रहा था कि भाई को न्याय दिलाने के लिए क्या किया। भोपाल में क्या कर के आए सब लोग, कागज दिखाओ। हमने उससे कहा कि कार्रवाई हो रही है। देवा को जरूर न्याय मिलेगा।' यह बात भी सामने आई है कि शाम को पैसों को लेकर पारदी परिवारों में झगड़ा हुआ था। विवाद में हवाई फायर भी किया गया। गुस्से में सिंदबाज ने कहा कि मैं ही मर जाता हूं। वह ऊपर कमरे में गया और फांसी लगा ली। गुरुवार को देवा के भाई सिंदबाज के शव का पीएम किया गया।

14 जुलाई को हुई थी देवा की मौत- 14 जुलाई की रात गुना पुलिस देवा को चोरी के केस में पूछताछ के लिए उठाकर थाने लाई थी। यहां उसे सीने में दर्द हुआ। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां मौत हो गई। इसके बाद परिजन ने प्रदर्शन भी किया था। 5 दिन पहले भोपाल में भी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और राज्यमंत्री कृष्णा गौर से मुलाकात की थी। मामले में न्यायिक जांच भी की जा रही है।

पिछले छह महीने में तीसरी मौत- बता दें कि पिछले छह महीनों में तीन सगे भाइयों की मौत हो गई है। सबसे बड़े भाई चिकान पारदी की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। उसे एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी थी। पिछले महीने दूसरे भाई देवा पारदी की पुलिस कस्टडी में मौत हो गई थी। अब ये तीसरे भाई सिंदबाज की मौत हुई है।

राज्य निर्वाचन आयोग में ई-फाइल सिस्टम लागू

भोपाल (नप्र)। राज्य निर्वाचन आयोग में अब किसी अधिकारी के टेबल पर फाइल नहीं नजर आती। कर्मचारी भी फाइल लिये इधर-उधर अधिकारियों के कक्ष में नहीं दिखते। यह सब हुआ है पूरे आफिस में ई-फाइल सिस्टम लागू होने से। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बसंत प्रताप सिंह ने बताया है कि इस सिस्टम को लागू करने से फाइलों के निराकरण में तेजी आई है और उनके संधारण की समस्या भी खत्म हो गयी है। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने बताया है कि पेपर लेस ऑफिस बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिये पूरी टीम ने तन्मयता से कार्य कर ई-फाइल सिस्टम को मूर्त रूप दिया है। उन्होंने बताया कि कार्यालयीन सुविधा के लिये अलग-अलग पोर्टल बनाये गए हैं। अधिकारी-कर्मचारियों के लिये इलेक्ट्रानिक ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम और न्यायालयीन प्रकरणों के लिये कोर्ट केस मैनेजमेंट सिस्टम बनाया गया है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर प्रदर्शन

● कांग्रेस के दो विधायक वाटर कैनन के प्रेशर से गिरे ● भोपाल में बैरिकेड पर चढ़े

भोपाल (नप्र)। अडाणी-हिंडनबर्ग मामले की जेपीसी जांच और सेबी चीफ के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस आज देशभर में प्रदर्शन किया। भोपाल में प्रदेश कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। इस दौरान बैरिकेड पर चढ़ने का प्रयास कर रहे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाई। इस दौरान पानी के प्रेशर से दो विधायक नीचे गिर गए।

ईडी कार्यालय जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोका- अरेरा हिल्स स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय पर प्रदर्शन करने जा रहे कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने बोर्ड ऑफिस चौराहे पर रोक लिया। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद और महेश परमार ने बैरिकेड पर चढ़ने की कोशिश की। पुलिस ने वाटर कैनन का प्रयोग कर रोका। वहीं श्योपुर के विधायक बाबू जंडेल को पुलिस ने बेरीकेड से हाथ पकड़कर नीचे उतार दिया। इससे पहले कांग्रेस कार्यकर्ता मंजीरे बजाते हुए कार्यालय से निकले और व्यापमं चौराहे पर पहुंचे। यहां सभा हुई। सभा को प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया।

जबलपुर में युवक से मारपीट चेहरे पर की यूरिन

15 हजार रुपए और चेन भी छीनी; एक आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (नप्र)। सीधी के बाद अब जबलपुर में भी पेशाब कांड का मामला सामने आया है। यहां पर एक युवक के साथ मारपीट करते हुए बदमाशों ने उसके ऊपर पेशाब कर दी। घटना मंगलवार दोपहर की है। जिसका वीडियो अब सामने आया है।

घटना के दिन पीड़ित टिफिन का कलेक्शन लेकर आ रहा था। उसके पास करीब 15 हजार रुपए थे। तभी रास्ते में 4-5 बदमाशों ने उसे रोका और मारपीट करने लगे। इस दौरान उन्होंने रुपए और सोने की चेन छीन ली। वे उसे पीटते हुए झाड़ी में ले गए, और उसके ऊपर पेशाब कर दिया। पीड़ित ने गोरखपुर थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

15 मिनट तक बदमाश करते रहे मारपीट- कुम्हार मोहल्ले में रहने वाले पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसका टिफिन का व्यापार है। राखी के दूसरे दिन वह कलेक्शन लेकर अपनी एक्टिवा से घर जा रहा था। जैसे ही भटरा मोहल्ले पहुंचा, तभी लवी और ग्रीन उनके पास आए और शराब के लिए तीन सौ रुपए मांगने लगे, विरोध किया और पैसे देने से मना किया तो बदमाशों ने मिलकर उसे पीटना शुरू कर दिया, इस दौरान लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, लेकिन किसी ने उसकी मदद नहीं की। करीब 15 मिनट तक बीच सड़क पर बदमाश युवक के साथ मारपीट करते रहे, इसके बाद 15 हजार रुपए, सोने की चेन छीनकर फरार हो गए।

पीड़ित ने अगले दिन पहुंचकर दर्ज कराई एफआईआर- घटना से युवक इस कदर डर गया था कि सीधे घर गया, अगले दिन जब परिवार वाले घर आए तब उसने सारी घटना बताई। इसके बाद वह परिजनों के साथ बुधवार को गोरखपुर थाना पहुंचा, और घटना का वीडियो पुलिस को दिया। गोरखपुर थाना पुलिस ने ग्रीन, लवी और उनके तीन अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।बताया जा रहा है कि पुलिस ने लवी को गिरफ्तार कर लिया है जबकि ग्रीन और उनके अन्य तीन साथ ही अभी फरार हैं।

चाची ने भतीजी को पैरों से दबाया, पीटा

● दादी से बोली-बनाओ वीडियो, कोई दिक्कत नहीं; 13 साल की बच्ची छोड़ने की गुहार लगाती रही

रतलाम (नप्र)। रतलाम में 13 साल की बच्ची के साथ उसकी चाची ने बेरहमी से मारपीट की। चाची ने बच्ची को जमीन पर पटका, उसे पैरों के बीच दबाया। फिर दनादन थप्पड़ मारे। महिला ने बच्ची पर बदतमीजी करने का आरोप भी लगाया। वीडियो बच्ची की दादी ने बनाया। इसमें दिख रहा है कि बच्ची पलंग और दीवार के बीच जमीन पर गिरी है। चाची चीखते हुए उसे पीट रही है। बच्ची कह रही है कि मुझे उठने दो। मेरा दम घुट रहा है। बच्ची की दादी ने भी चाची से उसे छोड़ने के लिए कहा लेकिन वह नहीं मानी। पुलिस के मुताबिक, 2 मिनट 48 सेकंड का यह वीडियो दो-तीन महीने पुराना है। बुधवार को वीडियो सामने आने के बाद बच्ची के नाना ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। गुरुवार सुबह चाइल्ड लाइन और वन स्टॉप केंद्र की टीम पुलिस के साथ बालिका को अपने दफ्तर ले आई। अब चाइल्ड लाइन और बाल कल्याण समिति लड़की की अलग-अलग काउंसिलिंग कराएंगे। वन स्टॉप सखी सेंटर प्रशासक शकुंतला मिश्रा ने बताया- काउंसिलिंग के बाद आगे की कारवाई की जाएगी।

8वीं क्लास में पढ़ती है बच्ची

पीड़ित बच्ची आठवीं क्लास में पढ़ती है। मारपीट का वीडियो उसकी दादी ने ही बनाया है। वीडियो में चाची बच्ची से कह रही है- बुला ले तेरे डैडी को। मैं मेरी औलाद की भी नहीं सुनती। दादी से चाची ने कहा- बनाओ वीडियो, कोई दिक्कत नहीं है। इस दौरान बच्ची उसे छोड़ने की गुहार लगाती रही। दांतों से हाथ पर काटकर चाची के चंगुल से छूटने की कोशिश भी की। लेकिन महिला उसे सबक सिखाने की बात कहते हुए पीटती रही।

नाना ने की थाने में शिकायत- बच्ची के नाना बुधवार को डीडी नगर थाने पहुंचे और शिकायती आवेदन दिया। इसमें बताया- 4 दिसंबर 2006 को बेटी की शादी रतलाम में की थी। उसे दो जुड़वां लड़कियां हुईं। दामाद आए दिन बेटी को परेशान करता था। जिसके चलते दोनों परिवारों की सहमति से तलाक हो गया। एक बच्ची दामाद के पास रहने लगी, दूसरी को बेटी अपने साथ ले आई। तलाक के कुछ महीने बाद बेटी और दामाद ने अलग-अलग दूसरी शादी कर ली। इसके बाद बच्ची दादा-दादी के पास रहने चली आई। चाचा-चाची भी साथ ही रहते हैं। उन्होंने बताया कि बच्ची का मां हरियाणा में रहती है। पिता रतलाम के पास रावटी में रहकर मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान चलाता है। बच्ची चाचा-चाची और दादा-दादी के साथ रहती है। मुझे वीडियो के जरिए मेरी नातिन के साथ अमानवीय तरीके से मारपीट की जानकारी मिली। मैंने हरियाणा में रह रही अपनी बेटी को बताया। वह उसे लेने आ रही है। बेटी को ले जाने में पुलिस उसकी मदद करे। मारपीट करने वाली चाची के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

चाची की तीन बेटियां, चाचा बजरंग दल नेता

बच्ची की नानी ने बताया कि बेटी जिन चाचा और चाची के साथ रहती है, उनके भी तीन बेटियां हैं। मारपीट करने वाली चाची का पति आशु टाक बजरंग दल का जिला सह संयोजक है। वे हमेशा नातिन से सौतेला व्यवहार करते हैं।

पुलिस बोली-जांच के बाद कार्रवाई करेंगे

डीडी नगर थाने के टीआई रवींद्र दंडोतिया ने कहा- वीडियो 2 से 3 महीने पुराना है। आवेदन पर बच्ची के घर जाकर बातचीत की है। फिलहाल वह ठीक है। मामले की जांच के बाद कार्रवाई करेंगे।

शेयर मार्केट में इंवेस्टमेंट के नाम से ठगने वाले गिरफ्तार

भोपाल में पुलिस से बोले आरोपी- हमें तो खाते देने के एवज में कमीशन मिलता था

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोहेफिजा में रहने वाले कारोबारी से शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट के नाम पर 9.35 लाख की ठगी करने वाले तीन आरोपियों को साइबर क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। तीनों भुसावल महाराष्ट्र के रहने वाले हैं।

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों बताया कि उन्होंने केवल अपने खाते इस्तेमाल को दिए थे। इसके एवज में उन्हें महज 20-20 हजार रुपए मिले थे। ठगी किसने की, रकम आगे कहां गई इसकी जानकारी नहीं है। हालांकि पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक मोहम्मद जैनुल निवासी कोहेफिजा ने दो महीने पहले थाना साइबर क्राइम भोपाल में लिखित शिकायत की थी। इसमें बताया कि उनके वॉट्सऐप पर करण बिरला नाम के व्यक्ति ने कॉल किया था। उसने स्वयं को शेयर ब्रोकर बताया था। ट्रेडिंग के लिए पीएमएचडीएफसी नाम के एप्लिकेशन डाउन लोड कराई।

इसके बाद इस एप्लिकेशन से सहराज सोलार नाम की कंपनी में इन्वेस्ट करने पर बड़ा मुनाफा कमाने का लालच दिया। आरोपी की बातों में आने के बाद फरियादी ने तीन बार में उसके बताए खाते में 9.35 लाख रुपए जमा कर दिए। बाद में ऐप लॉक कर दिया गया, आरोपी का वॉट्सऐप नंबर भी बंद हो गया।

नामी कंपनियों से मिलता-जुलता एप्लिकेशन तैयार किया जाता है- साइबर जालसाज लोगों को वॉट्सऐप पर शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने के नाम पर मैसेज भेजते हैं। लोगों को शेयर मार्केट में बड़ी कंपनियों के नाम से इन्वेस्ट करने पर कम समय में अधिक मुनाफा कमाने का लालच देते हैं। नामी कंपनियों से मिलता-जुलता एप्लिकेशन बनाया जाता है। लोग जब पहली बार कंपनी में इन्वेस्ट करते हैं, तब उनको मुनाफा सहित जमा की गई राशि वापस कर दी जाती है। इसके बाद बड़ी राशि इन्वेस्ट की जाती है, तब उनको कोई पैसा वापस नहीं किया जाता है।

ऐसे आरोपियों तक पहुंची पुलिस- साइबर क्राइम ने मैदानी स्तर पर प्राप्त साक्ष्य एवं तकनीकी एनालिसिस के आधार पर प्राप्त साक्ष्य के आधार पर अपराध कारित करने में उपयोग किए गए वॉट्सऐप नंबर, एप्लिकेशन एवं बैंक खातों के वास्तविक उपयोग कर्ता की तकनीकी जानकारी प्राप्त की गई। इसके बाद मैदानी स्तर पर टीम के सदस्यों द्वारा प्रयास कर वास्तविक आरोपियों को बैंक खाता बेचने वाले आरोपियों की पहचान की गई। तकनीकी एवं मैदानी स्तर पर प्राप्त जानकारी के आधार पर गिरोह को पैसे लेकर खाता बेचने वाले तीन आरोपियों को भुसावल महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया। आरोपियों से वारदात में प्रयुक्त 3 मोबाइल फोन, 5 सिम कार्ड जब्त किए हैं। अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

कौन हैं गिरफ्तार साइबर जालसाज- अनिकेत दत्तात्रेय बरहटे निवासी भुसावल जिला जलगांव महाराष्ट्र आईटीआई डिप्लोमा होल्डर है। उसने स्वयं के नाम पर फर्जी खाते खुलवाकर पैसे लेकर इन खातों को साइबर जालसाजों को दिया था। ऋषिकेश प्रवीण बाविस्कर निवासी भुसावल जिला जलगांव महाराष्ट्र आईटीआई डिप्लोमा होल्डर है।

नदी में बहे दोनों जवानों के शव मिले

भिंड में रेस्क्यू के दौरान पलटी थी नाव; ग्रामीणों को बचाने उतरे थे

भिंड (नप्र)। भिंड में रेस्क्यू के दौरान नदी में नाव पलटने से बहे दोनों जवानों के शव मिल गए हैं। घटनास्थल से 10 किलोमीटर दूर कनावर के नजदीक हरिदास चौहान का शव मिला। वहीं कनावर से 3 किलोमीटर आगे श्योडा गांव से प्रवीण कुशवाहा का शव बरामद हुआ।

ग्वालियर से आई एनडीआरएफ की टीम उनकी तलाश में जुटी हुई थी। करीब 40 से ज्यादा जवान नदी के साथ ही दोनों किनारों और घटना स्थल से 5 किलोमीटर के दायरे में खोजबीन में जुटे रहे। इससे पहले, गुस्साए ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचे होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट उमेश शर्मा के साथ मारपीट कर दी।

बुधवार शाम को रेस्क्यू के दौरान पलटी थी नाव- बता दें, कि बुधवार शाम को देहात थाना इलाके के कचोंगरा गांव में कुंवारी नदी के चेक डैम पर एक गाय फंस गई थी। गाय का मालिक विजय सिंह राजावत

(45) उसे बचाने गया, लेकिन वह पानी में फंस गया। मदद के लिए उसका भाई सुनील भी नदी में उतरा, लेकिन विजय की डूबने से मौत हो गई।

इधर, सुनील भी तेज बहाव में फंस गया। यह देखकर सुनील को निकालने कुछ ग्रामीण नदी में उतरे। वे भी पानी में फंस गए। इसके बाद एनडीआरएफ को सूचना दी गई। जवानों ने ग्रामीणों को बाहर निकाला, लेकिन रेस्क्यू के दौरान टीम की नाव पलट गई, जिसमें प्रवीण कुशवाहा और हरिदास चौहान नाम के दो जवान बह गए। घटना के करीब 23 घंटे बाद दोनों के शव मिले हैं। लोगों ने गांव के बाहर मेन रोड पर चक्काजाम कर दिया।

ग्रामीणों ने होमगार्ड कमांडेंट से की मारपीट

22 घंटे बाद भी जवानों के नहीं मिलने पर गांव वालों में आक्रोश पनपने लगा था। दोपहर करीब 3 बजे गुस्साए कुछ ग्रामीणों ने होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट उमेश शर्मा के साथ मारपीट कर दी। उन्हें घूंसे मारे। ग्रामीणों ने होमगार्ड अफसर पर पैसे लेकर गोताखोरों की ड्यूटी लगाने का आरोप लगाया। साथ ही, रेस्क्यू में भी लापरवाही का आरोप लगाया।

इस बात को एनडीआरएफ जवान राहुल शर्मा ने गलत ठहराया। पुलिस जवानों ने गांव वालों को खदेड़ा। गुस्साए लोगों ने गांव के बाहर बैरिकेड्स लगाकर चक्काजाम कर दिया। इससे पहले, बुधवार की तुलना में नदी का पानी ढाई फीट कम हुआ है। बहाव भी धीमा है।